MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-20 ❖ मुंबई ❖ रविवार 09 से 15 मई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

अनिल देशमुख को नहीं मिली अंतरिम राहत

पेज 5

दिल्ली में 3 महीने में टीकाकरण पूरा करने के लिए हमें हर दिन 3 लाख वैक्सीन लगानी होंगी - अरविंद केजरीवाल

पेज 7

सलमान खान और जैकी श्रॉफ अभिनीत "राधे...योर मोस्ट वांटेड भाई" ईद का जश्न है

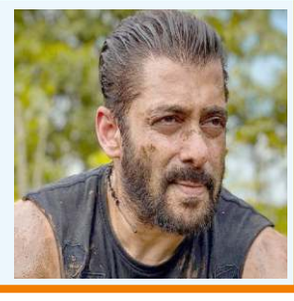

पेज 8

लोगों में राशन बांटकर अपना जन्मदिन मनाया डॉ. कृष्णा चौहान ने !

कोरोना के खिलाफ जंग में उद्धव ठाकरे से पीएम मोदी गदगद, फोन कर थपथपाई पीठ

मुंबई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की और राज्य में कोविड -19 की स्थिति पर चर्चा की। इस दौरान पीएम ने उद्धव ठाकरे की कोरोना काल में काम की तारीफ की। महाराष्ट्र सीएमओ के अनुसार, पीएम ने ठाकरे से कहा कि महाराष्ट्र दूसरी लहर के खिलाफ अच्छी लड़ाई लड़ रहा है। इस बीच, सीएम ने अनुरोध किया कि महाराष्ट्र को ऑक्सिजन के मामले में अधिक स्ट्रेंथ दी जाए और कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उपायों के बारे में जानकारी दी जाए। अच्छे काम की प्रशंसा की

महाराष्ट्र के सीएमओ को बताया, 'पीएम और केंद्र सरकार शुरू से ही महाराष्ट्र को कोरोना युद्ध में मार्गदर्शन कर रहे हैं और राज्य सरकार ने भी केंद्र के मार्गदर्शन के अनुरूप अच्छा काम किया। सीएम ने पीएम को इसलिए भी धन्यवाद दिया कि उन्होंने महाराष्ट्र के कुछ सुझावों को स्वीकार किया।'

राज्यों के सीएम से पीएम कर रहे बात पिछले कुछ दिनों से मोदी राज्यों में महामारी की स्थिति का जायजा लेने के लिए टेलीफोन पर मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने शनिवार को महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे को कॉल की थी। सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र

कोविड -19 वायरस की दूसरी

लहर के दौरान महाराष्ट्र सबसे अधिक प्रभावित राज्य रहा है। हालांकि मुंबई सहित इसके कुछ शहरों में लगातार सुधार देखा गया है, राज्य के कई हिस्सों में स्थिति चिंता का विषय है। शुक्रवार को राज्य में एक दिन में कोविड-19 के 54,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए।

उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री को यह भी बताया कि महाराष्ट्र कोरोना की तीसरी संभावित लहर से निपटने के लिए क्या-क्या योजना बना रहा हैं। उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी से महाराष्ट्र को टीकाकरण के लिए को-विन एप की तर्ज पर अपना एप बनाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया, जोकि केंद्रीय को-विन एप से जुड़ा रहेगा। राज्य सरकार का मानना है कि यह एप टीकाकरण के इच्छुक राज्य के लोगों के लिए मददगार साबित होगा। उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि टीकाकरण के इच्छुक ज्यादा लोगों के एक साथ लाग इन करने पर को-विन एप क्रैश कर जाता है। जिससे लोगों को असुविधा होती है। पने जिले को ज्यादा वैक्सीन देकर घिरे महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे।: अपने जिले को ज्यादा वैक्सीन देकर घिरे महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, केंद्र ने विवरण मांगा महाराष्ट्र लंबे समय से राज्य को सीरम इंस्टीट्यूट व भारत बायोटेक के अलावा किसी अन्य वैक्सीन निर्माता से भी वैक्सीन खरीदने की इच्छा जताता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी से भी यह मांग करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि यदि राज्य को यह अनुमति दी जाती है, तो वह कम समय में अधिक लोगों के टीकाकरण में सफल हो सकता है। संयोग से पीएम मोदी और उद्धव ठाकरे की यह वार्ता ठीक उसी दिन हुई है, जब शिवसेना मुखपत्र सामना में केंद्र सरकार की सेंट्रल विस्टा परियोजना की तीखी आलोचना की गई है।

अपने जिले को ज्यादा वैक्सीन देकर घिरे महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे

मुंबई। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अच्छे प्रबंधन व ऑक्सीजन व्यवस्था के लिए एक ओर सुप्रीम कोर्ट और प्रधानमंत्री महाराष्ट्र की प्रशंसा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे अपने जिले को अधिक वैक्सीन देने के मामले में घिरते दिखाई दे रहे हैं। टोपे की अपनों के लिए दिखाई गई दरियादिली दूसरे जिलों पर भारी पड़ती दिख रही है। भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव विकास शील ने महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य डा. प्रदीप व्यास को पत्र लिखकर राज्य के जालना जिले को दी गई कोरोना वैक्सीन का विवरण मांगा है। एक अंग्रेजी दैनिक ने पांच मई को एक समाचार प्रकाशित किया था कि स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने अपने जिले को निर्धारित कोटे से अधिक वैक्सीन उपलब्ध कराई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसी खबर का हवाला देते हुए राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव से जवाब मांगा है।

पुलिस व स्वास्थ्यकर्मियों पर दिख रहा टीकाकरण का असर

मुंबई, कोरोना की दूसरी लहर कहर बरपाने में पीछे नहीं है। पहली लहर के मुकाबले इस लहर में न सिर्फ कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या तीन गुनी है, बल्कि मृत्युदर भी दहलाने वाली है। लेकिन इस कहर का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य व पुलिसकर्मियों पर वैसा होता नहीं दिख रहा है, जैसा कोरोना की पहली लहर में हुआ था। महाराष्ट्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) संजीव सिंहल बताते हैं कि कोरोना की पहली लहर के दौरान अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 तक राज्य में 330 पुलिसकर्मियों को जान से हाथ धोना पड़ा था। इनमें सबसे ज्यादा 89 पुलिसकर्मियों की सितंबर में मौत हुई थी, जब कोरोना की पहली लहर अपना शिखर छू रही थी। दूसरी तरफ इस वर्ष फरवरी में दूसरी लहर शुरू होने के बाद से अब तक सिर्फ 92 पुलिसकर्मियों को जान गंवानी पड़ी है। महाराष्ट्र में अब तक 60 फीसद पुलिसकर्मियों को ही वैक्सीन की दूसरी डोज दी जा सकी है। सिंहल कहते हैं कि वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके पुलिसकर्मी दूसरी लहर में भी संक्रमित हो रहे हैं। लेकिन उन पर कोरोना का दुष्प्रभाव वैसा नहीं हो रहा है, जैसा बिना वैक्सीन लिए लोगों पर हो रहा है। सिंहल के अनुसार वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बावजूद विभाग अपने पुलिसकर्मियों से कोविड प्रोटोकाल का पालन करवाने में पीछे नहीं है। सभी पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे मास्क लगाने के साथ-साथ हाथ की सफाई, सैनिटाइजेशन एवं शारीरिक दूरी का पालन करते रहें।

मराठा आरक्षण के लिए एक दिन का बुलाएंगे अधिवेशन!... अजीत पवार ने दिया संकेत

मुंबई, कोरोना संकट कम होने पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मराठा आरक्षण के संबंध में मिलेगा, ऐसी जानकारी उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कल पुणे में मीडिया से बातचीत करते हुए दी।

मराठा समाज को शिक्षा एवं नौकरी में आरक्षण देने के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का पैâसला चौंकानेवाला है, इसके लिए आवश्यकता पड़ी तो एक दिन का विशेष अधिवेशन बुलाया जाएगा, ऐसा भी उपमुख्यमंत्री ने कहा। किसी भी परिस्थिति में मराठा समाज को आरक्षण मिलना ही चाहिए। यह महाविकास आघाड़ी सरकार की भूमिका है, ऐसा भी अजीत पवार ने इस दौरान कहा।

मराठा आरक्षण के संदर्भ में बातचीत करते हुए अजीत पवार ने

कहा कि आरक्षण के संदर्भ में राज्य सरकार ने कोई गलती नहीं की है। जिस समय कानून बनाया गया था, उस समय महाराष्ट्र विधिमंडल ने एकमत से प्रस्ताव पास किया था। सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया था। हाईकोर्ट ने विधिमंडल के प्रस्ताव को मंजूर भी किया था। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला जाने के बाद तत्कालीन देवेंद्र फडणवीस सरकार के समय जो वकील थे, वही वकील सुप्रीम कोर्ट में भी थे, इसके अलावा अन्य वकील भी दिए गए थे।

तमिलनाडु सहित कई राज्यों में किसी भी अन्य आरक्षण को धक्का न लगाते हुए ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हाल ही में जनता से आह्वान किया है कि किसी भी परिस्थिति में मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए महाविकास आघाड़ी सरकार कटिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि अब कुछ लोग एक अलग राजनीति कर रहे हैं कि जब हमारी सरकार थी, तब इस निर्णय पर ध्यान दिया गया था। लेकिन महाआघाड़ी सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया, कुछ ऐसी गलत सूचना पैâलाई जा रही है जबकि इसमें कोई तथ्य नहीं है। इस मामले में सभी ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की लेकिन अंत में सुप्रीम कोर्ट का पैâसला चौंकानेवाला आया। हालांकि राज्य सरकार मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए दृढ़ है। यदि इसके लिए आवश्यकता हुई तो एक दिन का विशेष अधिवेशन बुलाएंगे, ऐसा भी अजीत पवार ने कहा।

वैक्सीन उपलब्ध हो तभी घर से बाहर निकलें! - आदित्य ठाकरे

मुंबई, पर्यावरण एवं पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने वैक्सीनेशन सेंटर्स पर हो रही भीड़ से लोगों को बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन सेंटर्स पर कितनी वैक्सीन उपलब्ध हैं? इस बात की जानकारी लेने के बाद ही घर से निकलें। चूनाभट्टी स्थित मां साहेब मीनाताई ठाकरे प्रसूति अस्पताल में बने कोविड वैक्सीनेशन सेंटर के ऑनलाइन उद्घाटन के दौरान आदित्य ठाकरे बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मनपा के ट्वीटर अकाउंट पर नागरिकों को वैक्सीन उपलब्धता की स्थित जानने के बाद ही घर से बाहर जाना चाहिए। इस मौके पर उक्त सेंटर पर महापौर किशोरी पेडणेकर सहित कई विधायक, नगरसेवक व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। आदित्य ठाकरे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरू में वैक्सीनेशन को लेकर नागरिकों में भय था, जो अब कम हुआ है। वैक्सीनेशन को लेकर लोगों में अब अधिक उत्सुकता है। वहां भीड़ अधिक हो रही है इसलिए लोगों को वैक्सीनेशन सेंटर्स में आने के बाद भी फेस मास्क जरूर पहनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में वैक्सीनेशन सेंटर शुरू किए जाने चाहिए। बल्कि वैक्सीनेशन सेंटर्स को लेकर नगरसेवकों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ताकि अधिक से अधिक सेंटर्स स्थापित किए जा सकें।

इस अवसर पर विधायक संजय पोतनिस, मंगेश कुडालकर, एल वार्ड के सहायक आयुक्त मनीष वालुंज और संबंधित चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे। नदी के पुनर्जीवित कार्य की समीक्षा की

संभाजीनगर के खाम नदी को पुनर्जीवित करके के लिए काम करनेवाली टीम के साथ पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने वीडियो कॉन्प्रâेंस के जरिए काम की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। टीम द्वारा पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे को नदी को पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों से अवगत कराया गया। इस कार्य की प्रगति पर एक प्रस्तुतिकरण किया गया। आदित्य ठाकरे ने कहा कि नदी को पुनर्जीवित करते समय स्थानीय लोगों को इसकी पर्यावरणीय विशेषताओं के संरक्षण के कार्य में शामिल करना चाहिए। इस नदी का ऐतिहासिक महत्व भी है। उन्होंने अनुसंधान दृष्टिकोण के साथ नदी को पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस मौके पर विधायक अंबादास दानवे, संभाजीनगर के प्रशासक आस्तिक कुमार पांडे, सिटी इंजीनियर पानझाड़े सहित टीम के आदि अधिकारी उपस्थित थे।

बिना स्वॉब टेस्ट देता था रिपोर्ट.... लैब हुआ सील!

मुंबई, मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के सीबी यूनिट ने दक्षिण मुंबई के कालाचौकी इलाके में कोरोना की फर्जी रिपोर्ट देनेवाले एक लैब पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यूनिट के मुताबिक यह लैब बिना स्वॉब टेस्ट किए कई दिनों से लोगों को फर्जी कोरोना रिपोर्ट दे रहा था। इस मामले में पुलिस ने लैब को सील कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक,

सीबी यूनिट से जुड़े एक अधिकारी को सूचना मिली थी कि यह लैब पैसे लेकर बिना स्वॉब टेस्ट किए लोगों को कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट दे रहा है।

पता चला है कि यह लैब २,००० रुपए में एक फर्जी निगेटिव रिपोर्ट दे रहा था। अभी तक करीब २५० फर्जी रिपोर्ट वह दे चुका था। कोरोना संक्रमण की इस महामारी में लोगों के स्वास्थ्य को लेकर खतरा पैदा हो सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सीबी यूनिट से जुड़े एक पुलिसकर्मी ने ग्राहक बनकर इस लैब से बात की और बिना स्वॉब टेस्ट कराए कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट देने की मांग की।

मराठा आरक्षण को ना

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में महाराष्ट्र के उस कानून को असंवैधानिक करार दिया जिसके तहत मराठा समुदाय के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का प्रावधान किया गया था। अदालत ने कहा कि ऐसी कोई असाधारण परिस्थितियां नहीं हैं जिनके आधार पर मराठा समुदाय को शैक्षणिक और सामाजिक दृष्टि से कमजोर मानते हुए आरक्षण प्रदान किया जाए और सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1992 में निर्धारित अधिकतम 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को पार करने की इजाजत दी जाए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने 2018 में एक कानून बनाकर मराठा समुदाय को शिक्षा और रोजगार में 16 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था की थी जिससे महाराष्ट्र में कुल आरक्षण का प्रतिशत 50 फीसदी की सीमा से ऊपर चला गया था। 2019 में हाईकोर्ट ने इस कानून की वैधता की पुष्टि की थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर बारीकी से विचार-विमर्श हुआ। एक अहम

पहलू यह था कि क्या अधिकतम आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा को जारी रखा जाए। कई राज्य इस सीमा को खत्म करने के पक्ष में थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने साफ-साफ कहा कि विशेष परिस्थितियों के बगैर इस आरक्षण सीमा को पार करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन माना जाएगा। ध्यान रहे महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर तगड़ा आंदोलन हो चुका है। सभी महत्वपूर्ण राजनीतिक दल इस मांग के समर्थन में हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस केस की सुनवाई के दौरान भी न केवल केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा बनाए गए इस कानून का समर्थन किया बल्कि कई और राज्य भी इस पहल के पक्ष में थे। भूलना नहीं चाहिए कि आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र जैसा असमंजस कई राज्यों में है। पारंपरिक तौर पर मजबूत माने जाने वाले समुदायों की ओर से आरक्षण की मांग हाल के वर्षों में अन्य राज्यों में भी उठी है। गुजरात में पटेल और राजस्थान तथा हरियाणा में जाट आरक्षण को लेकर हुए आंदोलन तो राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुए थे। इन मांगों के पीछे अपना तर्क हो सकता है। कुछ राज्य सरकारों की इस दलील में भी सचाई हो सकती है कि आजादी के सात दशकों के बाद भी कई ऐसे समुदाय हैं जो पिछड़े बने हुए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे तमाम पिछड़ेपनों को दूर करने का एकमात्र उपाय आरक्षण ही रह गया है? जाहिर है इसका जवाब हां में नहीं हो सकता। सचाई यह है कि बिना सोचे समझे हर मामले में लागू करने से इसकी सीमित उपयोगिता भी नष्ट हो जाने का खतरा है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे अलग-अलग समुदायों के पिछड़ेपन के कारणों की बारीक पड़ताल करते हुए इन्हें दूर करने के ज्यादा कारगर और न्यायसंगत तरीके निकालें। वरना वोट बैंक का दबाव राजनीति को सस्ती लोकप्रियता के नुस्खों में उलझाए रखेगा और विभिन्न समुदाय पिछड़ेपन से उबरने के अंतहीन संघर्ष में फंसे रहेंगे।

वैक्सीन मैन का दुख

किरीट ए. चावड़ा

लंदन के अखबार फाइनैंशल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के अदार पूनावाला ने कहा है कि भारत में आने वाले कुछ महीनों तक टीके की कमी बनी रह सकती है। अभी वह हर महीने 6-7 करोड़ खुराक तैयार कर रही है, जबकि जुलाई से 10 करोड़ खुराक बनाने लगेगी। इससे कोरोना की दूसरी लहर के बीच वैक्सीन की कमी से जूझ रहे भारत को जरूर राहत मिलेगी। इस इंटरव्यू में पूनावाला ने इसके साथ कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें भारत में बेवजह परेशान किया गया। इससे पहले 'द टाइम्स ऑफ लंदन' को दिए इंटरव्यू में पूनावाला ने कहा था कि वैक्सीन की सप्लाई को लेकर भारत में नेता और बिजनस लीडर्स उन्हें धमकी दे रहे हैं। सच पूछिए तो इस समस्या की जड़ शुरुआत में भारत सरकार की ओर से कंपनी को बड़ा ऑर्डर न देना रहा, जिसकी तरफ पूनावाला ने भी इशारा किया है। सरकार को लग रहा था कि भारत ने कोरोना महामारी से जंग जीत ली है और यहां इसकी दूसरी लहर दस्तक नहीं देगी। लेकिन दूसरी लहर न सिर्फ आई बल्कि बेकाबू हो गई है और पिछले शुक्रवार को तो नए मरीजों की

संख्या 4 लाख पार कर गई, जो वैश्विक रेकॉर्ड है। इसके बाद सरकार ने सीरम इंस्टिट्यूट को वैक्सीन के लिए पेशगी के तौर पर 3,000 करोड़ रुपये दिए, जिसका इस्तेमाल कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कर रही है। केंद्र ने इसके साथ वैक्सीन की सप्लाई बढ़ाने के लिए और भी कदम उठाए हैं, जिनका असर जल्द ही दिखने लगेगा। लेकिन इन सबके बीच पूनावाला को लेकर जो विवाद हुआ है, वह अफसोसनाक है। अगर देश में आज 16 करोड़ यानी 12 फीसदी लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक मिल चुकी है तो उसमें कोवैक्सीन बनाने वाली भारत बायोटेक के साथ दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन कंपनी सीरम का बड़ा योगदान रहा है। पूनावाला की कंपनी ने अब तक जितनी वैक्सीन बनाई है, उसका ज्यादातर हिस्सा उसने भारत सरकार को दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करार तोड़कर हमारी मदद की है, जिसके लिए उनकी कंपनी को लीगल नोटिस तक मिल चुका है। हमें इसके लिए पूनावाला का शुक्रगुजार होना चाहिए। इसके साथ अगर उन्हें भारत में कोई परेशानी हो रही है तो उसे दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्हें यह अहसास दिलाना चाहिए कि वह यहां असुरक्षित नहीं हैं। केंद्र सरकार को उनसे बात करनी चाहिए। वह सुनिश्चित करे कि नेता और बिजनस लीडर्स उन पर बेवजह वैक्सीन के लिए दबाव न बनाएं। उनकी कंपनी इस मुश्किल घड़ी में हमारे लिए राष्ट्रीय रत्न की तरह है। उन्हें इसके मुताबिक सम्मान मिलना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि अगर हम महामारी से जंग जीतेंगे तो उसमें पूनावाला और उनकी कंपनी का अहम योगदान होगा।

एक फूल ने समय से पहले खिलकर उड़ा दी नींद

जिगर डी वाढेर

इस बार जापान के लोग अपने राष्ट्रीय फूल सकूरा, यानी चैरी ब्लॉसम के खिलने पर ज्यादा खुश नहीं हुए। कई शताब्दी बाद ऐसा हुआ कि ये फूल बहुत जल्दी खिल गए। जो पीक 15-20 अप्रैल के आसपास आनी थी, वह 26 मार्च को ही आ गई। ओसाका यूनिवर्सिटी की ओर से इकट्ठा किए गए तमाम आंकड़े बताते हैं कि इससे पहले वर्ष 1409 में 27 मार्च को इस पेड़ पर फूलों की पीक आई थी। साइंटिफिक जरनल बायॉलजिकल कंजर्वेशन में छपी एक रिपोर्ट में इसके पीछे ग्लोबल वॉर्मिंग के साथ-साथ शहरीकरण की भी भूमिका बताई गई है।

जापान में इन फूलों के खिलने का मतलब पारंपरिक रूप से बसंत का आगमन और सर्दी का समापन समझा जाता है। जापान में आठवीं शताब्दी से यह परंपरा चली आ रही है। इसे जापानी अपनी संस्कृति से जोड़कर देखते हैं। इस दिन को एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। दोस्त, रिश्तेदार मिलकर हनामी पार्टी करते हैं, जिसका मतलब है खिले हुए फूलों को देखना और आनंद उठाना। फूल के खिलने के समय को वहां शुभ माना जाता है। इसलिए इसी दिन नए स्कूल जाने के साथ बिजनेस तक की शुरुआत की जाती है। इस बार जापानियों में बढ़ती गर्मी को लेकर थोड़ा डर है। ओसाका यूनिवर्सिटी के रिसर्चर यासूकी ओनो ने हाल ही में चैरी ब्लोसम से जुड़ी वर्ष

812 से लेकर अब तक की तमाम जानकारियां इकट्ठा की हैं। ये तमाम जानकारियां पुराने समय के राजा-महाराजा, संतों, कलाकारों की ओर से लिखी गई थी। इनमें फूलों के खिलने के समय से लेकर उसके पूरे पीक पर पहुंचने के समय का वर्णन है। लगभग एक हजार साल यानी कि 812 से 1800 तक एक अपवाद को छोड़कर इन फूलों का पीक टाइम लगभग एक समान रहा। उसके बाद इसमें बदलाव आना शुरू हो गया। इस साल यह पीक मार्च में ही आ गई जो जापानियों के लिए चिंता का विषय है। चैरी ब्लॉसम के पहले फूल के खिलने से लेकर इसकी पीक आने तक के समय का मौसम विभाग पूरा ब्यौरा रखता है। इसके लिए जापान की अलग-अलग जगहों पर 58 चैरी के पेड़ों पर नजर रखी जाती है। ज्यादातर ये पेड़ दो हफ्ते तक फूल देते हैं। जापान में वर्ष 1953 से इन फूलों का पूरा रेकॉर्ड रखा जा रहा है। वहां मार्च 2020 में तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो वर्ष 1953 में 8.6 डिग्री सेल्सियस था। बढ़ते तापमान को सीधे तौर पर इन फूलों की पीक से जोड़कर देखा जा रहा है। जापान से यह चैरी ब्लॉसम और उससे जुड़ी परंपराएं कई देशों में फैली हैं। वॉशिंगटन डीसी में इस पेड़ को उगाने की शुरुआत 1912 में हुई थी। दोस्ती के तौर पर यह पौधा अमेरिका को जापानियों ने भेंट किया था। इस बार अमेरिका में भी इन फूलों की पीक लगभग सात दिन पहले नोटिस की गई है।

कम ही लोग जानते हैं कि अपने देश में भी चैरी ब्लॉसम के खिलने को बहुत महत्व दिया जाता है। मेघालय की राजधानी शिलांग में चैरी ब्लॉसम का खिलना एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। वर्ष 2019 में यहां इंटरनैशनल चैरी ब्लॉसम उत्सव भी मनाया गया था। शिलांग में भी इस बार चैरी ब्लॉसम की पीक का जल्दी आना देखा गया। हमारे देश में इस पेड़ को हिमालय की देन कहा जाता है। मेघालय के अलावा ये पेड़ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, दार्जिलिंग, उत्तराखंड और बंगाल के कुछ हिस्सों में भी पाए जाते हैं। वैसे चैरी ब्लॉसम के दीवाने देश के अन्य हिस्सों में भी अपने घरों में इसके पेड़ उगाने की कोशिश करते हैं। हालांकि ये पेड़ गर्मी के चलते ज्यादा वर्ष तक नहीं टिक पाते।

चैरी पेड़ 22 तरह के होते हैं। उनमें गहरे पिंक, बेबी पिंक और सफेद फूल लदे रहते हैं। इसके अलावा हरे और पीले फूल भी देखे जाते हैं। बहुत से पेड़ों पर सफेद फूल खिलते हैं जो धीरे-धीरे पिंक में बदल जाते हैं। इसकी खुशबू दूर तक फैलती है। जापान में गर्म पानी में इन फूलों को डालकर खुशबू का आनंद लिया जाता है।

ममता की जीत और बीजेपी के सामने 'वोकल फॉर लोकल' का सवाल

भूपेन्द्र पटेल

ममता बनर्जी ने 5 मई को लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस दृश्य को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा – वोकल फॉर लोकर – याद आ गया। राजनीतिक विश्लेषक आपको ममता दीदी की जीत और भाजपा की हार के कई कारण बता सकते हैं। ममता दीदी ने आखिर तक हार नहीं मानी और भाजपा भी अपनी पीठ थपथपा सकती है कि वह 294 मे से 77 सीटें जीतने में सफल रही। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी भाजपा को परेशान कर रहा है जिसका जवाब इन पांच राज्यों के चुनाव के बाद भी पार्टी के पास नहीं है। बंगाल की लड़ाई कितनी करीब थी, यह आंकड़ों को देख कर अंदाज़ा लगाना कठिन है। प्रचार के दौरान भाजपा ने दीदी को सभी आठ चरणों में हर एक सीट पर लड़ने के लिये मजबूर कर दिया था। अंत मे दीदी विजयी रहीं और भाजपा के लिये दोबारा वही पुराना प्रश्न सामने खड़ा हो गया है – मज़बूत क्षेत्रीय नेतृत्व। 2014 के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा हर प्रदेश में विजयी रथ दौड़ाने की जल्दी में रही है। इस प्रक्रिया में पार्टी विपक्षी दलों में सेंध लगा कर प्रमुख चेहरों को अपने पाले में खड़ा कर लेती है। लेकिन पिछले कुछ समय से चुनावी नतीजे भाजपा को एक स्पष्ट संदेश भेज रहे हैं – अच्छे स्थानीय क्षत्रपों में निवेश करें।

2019 लोकसभा और 2021 राज्य चुनावों में भाजपा के वोट शेयर पर करीबी नजर डालने पर यह जानकारी मिलती है कि विधानसभा चुनावों की तुलना में भगवा पार्टी लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिये हम लगभग 2.5% की गिरावट देख सकते हैं (40.64% से 38.13%), जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार करीब 4% अधिक वोट शेयर प्राप्त किया (43.69% से 47.94%)। अंतिम तस्वीर देखने के लिए कांग्रेस (लगभग 2.5%) और सीपीएम (लगभग 1.5%) को 2019 के बाद इस बार हुए नुकसान पर ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। यदि हम कांग्रेस और सीपीएम के गिरे हुए वोट शेयर को जोड़ लें तो वह लगभग तृणमूल के कुल वोट शेयर के बराबर पहुंच जाएगा। लेकिन अभी भी भाजपा के गिरे हुए वोट शेयर की गुत्थी

नहीं सुलझती नहीं नजर आ रही।

भाजपा के वोट शेयर के नुकसान का एक संभावित कारण मतदाताओं की उदासीनता हो सकता है। कई सीटों पर भाजपा ने तृणमूल के पुराने चेहरों को उतारा था जिससे मतदाताओं का एक छोटा वर्ग वोट डालने नहीं निकला। अगर यह 2% वोट भाजपा के पक्ष में पड़ा होता तो पार्टी को वोट शेयर तृणमूल के बराबर ही पहुंच गया होता जिससे बंगाल का चुनाव कांटे की टक्कर में तब्दील हो गया होता। भले ही तमिलनाडु और केरल में बीजेपी की हिस्सेदारी ज्यादा नहीं थी, लेकिन कुल मिलाकर रुझान स्पष्ट हैं। वे राज्यों के चुनाव में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करते जितना राष्ट्रीय चुनावों में करते हैं। यह मुख्य रूप से मोदी फैक्टर के कारण है जो राष्ट्रीय चुनावों में भाजपा के लिए मतदाताओं की लम्बी कतार में एक निर्णायक भूमिका निभाता है।

एक हालिया प्रमुख सर्वेक्षण में भी कुछ इस तरह के रुझान देखने को मिले हैं।

इसमें बताया गया है कि मतदाता राष्ट्रीय और राज्य चुनाव के बीच एक 'स्पष्ट अंतर' बताते हैं। इस बात का एक अच्छा उदाहरण 2019 में उन चार राज्यों में देखने को मिला था जिसका लोकसभा के साथ चुनाव हुआ था। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा के लिए भाजपा का उड़ीसा में वोट शेयर लगभग 6.5% अधिक था (32.49% से 38.88%)। वहीं बीजेडी का वोट शेयर लोकसभा चुनावों की तुलना मे विधानसभा में करीब 1.5% ज्यादा था (43.32% से 44.71%)।

अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश और सिक्किम में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हालांकि भाजपा ने अरुणाचल विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की, लेकिन उनके वोट शेयर में लगभग 8% की गिरावट आई।

भाजपा के लिए अरुणाचल प्रदेश (2019) और असम (2021) ऐसे दो राज्य हैं जहां उन्होंने सत्ता बरकरार रखी। लेकिन यह काफी हद तक इसलिये भी है कि पार्टी के पास हिमांता बिस्वा सरमा, सर्बानंद सोनोवाल और पेमा खांडू जैसे क्षेत्रीय नेता मौजूद हैं। इसमे दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी भारत के सबसे लोकप्रिय नेता हैं, लेकिन राज्य चुनावों में उनकी भी अपनी सीमाएँ हैं। वह सवाल जो भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष से पूछती है, 'मोदी का विकल्प कौन है?' ठीक वही प्रश्न पार्टी के लिये उन राज्यों में भारी पड़ता है जहां पर विपक्ष में मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व है। भाजपा के लिये आत्मनिरीक्षण करने का समय आ गया है कि क्या वह राज्यों में विपक्षी नेताओं में सेंध लगाते रहेंगे या फिर अपने संगठन के अंदर से ही 'वोकल फॉर लोकल' की राह पर चलना पसंद करेंगे।

कांग्रेस विधायक ने खोला शिवसेना के खिलाफ मोर्चा, उद्घाटन समारोह में ना बुलाए जाने से नाराज जीशान सिद्दीकी

मुंबई, महाराष्ट्र में एक बार फिर से कांग्रेस बनाम शिवसेना का माहौल बनता हुआ नज़र आ रहा है। मुंबई में बांद्रा पूर्व के कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी ने शिवसेना पर कोरोना के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। दरअसल जीशान सिद्दीकी के विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार के दिन वैक्सीनेशन सेंटर का उद्घाटन राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब द्वारा किया गया। लेकिन उद्घाटन समारोह में स्थानीय विधायक होने के बावजूद उन्हें नहीं बुलाया गया। नियमतः स्थानीय विधायक को बुलाया जाना चाहिए। इसी बात का विरोध जीशान ने किया है। जीशान सिद्दीकी ने ट्विटर पर ट्वीट कर महाराष्ट्र सरकार और शिवसेना से यह पूछा है कि क्या अब हम वैक्सीन के मुद्दे पर भी राजनीति करने जा रहे हैं? महाविकास अघाड़ी में मतभेद

महाविकास अघाड़ी सरकार में मतभेद का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी तीनों दलों में खींचतान की खबरें सामने आ चुकी हैं। इसके पहले भी कांग्रेस के नेताओं ने यह बात स्वीकार की है कि उन्हें ठाकरे सरकार में तवज्जो नहीं दी जा रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण बांद्रा पूर्व का यह मामला भी है। इसके अलावा शिवसेना, कांग्रेस आला कमान पर भी विवादित टिप्पणियां कर चुकी है। शिवसेना-एनसीपी में अनबन शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(NCP) में भी पिछले साल अनबन की खबरें सामने आई थी, जब शिवसेना के नेताओं को अजित पवार की मौजूदगी में एनसीपी में शामिल करवाया गया था। इस कार्यक्रम के लिए खुद अजित पवार नासिक गए थे। इस बात से शिवसेना के नेता काफी नाराज हुए थे। इस मामले को शांत करने के लिए खुद शरद पवार को ठाकरे के बंगले पर जाकर मुलाकात करनी पड़ी थी।

धन उगाही के आरोप में मॉडल गिरफ्तार, कपड़ा व्यापारी से मांग रही थी 30 लाख रुपये

भिवंडी, भोईवाडा पुलिस ने 30 लाख रुपये की उगाही के मामले में मुंबई के अंधेरी की रहने वाली मॉडल अंकिता सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धनउगाही करने में इसके सहयोगी भिवंडी के गैबीनगर निवासी ईशा अंसारी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उसे जमानत भी मिल गई है, लेकिन मॉडल के फरार होने के कारण पुलिस उसे गुरुवार को गिरफ्तार करके भिवंडी न्यायालय में हाजिर किया, जहां से 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। भिवंडी के कपड़ा व्यापारी अफजल शेख ने भोईवाडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि ईशा के माध्यम से अंधेरी की रहने वाली मॉडल अंकिता सिंह (पूजा सोनेलाल यादव) उनसे 30 लाख रुपये की मांग कर रही थी। पैसा न देने पर उन्हें किसी मामले में फसाने की धमकी दी गई थी। उन्होंने अंकिता को तीन लाख रुपये भी दे दिए थे। लेकिन, पैसे की मांग बंद नहीं हुई, इसलिए उन्होंने पुलिस स्टेशन का रुख किया।

सिम स्वैपिंग के जरिए बैंक खाते में सेंधमारी, साइबर क्रिमिनल ओटीपी नंबर हासिल करने के बाद लगाते हैं बड़ी चपत

मुंबई,कोरोना काल में ऑनलाइन फ्रॉड को अंजाम देने के लिए साइबर क्रिमिनल्स अब तमाम तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। इनके निशाने पर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन या डिजिटल पेमेंट करने वाले लोग होते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसे लोगों की तलाश कर साइबर ठग अपना शिकार बनाते हैं। हालांकि इसके लिए सबसे अनिवार्य ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) होता है, जो आपके मोबाइल में आता है। इसके बिना साइबर क्रिमिनल यूजर आईडी और पासवर्ड होने के बावजूद भी ऑनलाइन फ्रॉड को अंजाम नहीं दे पाता। इसी ओटीपी नंबर को हासिल करने के लिए इन दिनों क्रिमिनल नया तरीका अपना रहे हैं, जिसे स्वैपिंग नाम दिया गया है। यह 2 तरीके से चलन में है। सिम स्वैपिंग का पहला तरीका साइबर एक्सपर्ट अभिषेक मित्रा के मुताबिक, किसी मोबाइल यूजर के सिम कार्ड को बदल देना या उसी नंबर से दूसरा सिम कार्ड निकलवा लेना सिम स्वैपिंग कहलाता है। क्रिमिनल आपके नंबर से दूसरा सिम कार्ड नंबर रजिस्टर्ड करवा लेता है, जिसके बाद आपका सिम कार्ड बंद हो जाता है और नेटवर्क गायब हो जाता है। जैसे ही आपके सिम का नेटवर्क गायब हुआ, वैसे ही क्रिमिनल के पास आपके नंबर से रजिस्टर्ड कराए गए नए सिम कार्ड में नेटवर्क आ जाता है। चूंकि आपके सोशल मीडिया अकाउंट से ये क्रिमिनल पहले ही आपका यूजर आईडी और पासवर्ड सेव कर लेते हैं, इसलिए सिम स्वैपिंग करने के बाद ओटीपी नंबर आसानी से हासिल कर लेते हैं। सिम स्वैपिंग का दूसरा तरीका इस तरीके में क्रिमिनल सिम कार्ड स्वैपिंग के लिए अपने शिकार को कॉल करते हैं और खुद को एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया या जियो कंपनी का कर्मचारी बताकर जानकारी हासिल करते हैं। कभी-कभी इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने और कॉल ड्रॉप को ठीक करने की बात कहकर 20 अंकों का सिम नंबर भी मांगते हैं। यह नंबर सिम कार्ड के पीछे रहता है। जैसे ही आप इन्हें यह नंबर बताते हैं, क्रिमिनल आसानी से ओटीपी नंबर हासिल कर फ्रॉड को अंजाम दे देता है। अनजान कॉलर के प्रलोभन से बचें साइबर एक्सपर्ट डॉ. प्रशांत माली बताते हैं कि सिम स्वैपिंग से जुड़े अपराधी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों पर नजर रखकर उन्हें किसी अनजान नंबर से कॉल करते हैं और उनकी व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। कभी-कभी ये आपको कमिशन पर कुछ पैसा आपके बैंक खाते में जमा करने का भी प्रलोभन देते हैं।

कोरोना को हराएगा वेस्टर्न रेलवे का हॉस्पिटल ऑन व्हील्स

मुंबई और महाराष्ट्र में कोरोना महामारी से होने वाली मौतों के आंकड़ों में कोई खास कमी नजर नहीं आ रही है। हालांकि कोरोना संक्रमण का खतरा धीरे-धीरे कम होता हुआ नजर आ रहा है। राज्य में अभी भी ऑक्सीजन के काफी किल्लत महसूस की जा रही है। जिसकी वजह से कई मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कुछ मरीजों की ऑक्सीजन की कमी की वजह से मौत भी हुई है।

महाराष्ट्र सरकार की दरख्वास्त के बाद पश्चिम रेलवे ने कोरोना मरीजों के लिए अपनी ट्रेन को ही अस्पताल बना दिया है। अब इस ट्रेन में कोरोना संक्रमितों का पूरा इलाज किया जा सकता है। इस ट्रेन में ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मरीजों के लिए हर सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। जल्द ही इस हॉस्पिटल ऑन व्हील्स को राज्य सरकार के हवाले किया जाएगा ताकि कोरोना मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की दिक्कत या कमी न आने पाए। आपको बता दें कि पश्चिम रेलवे ने महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन पर यह ट्रेन तैयार की है। इस ट्रेन के 21 कोचों में से 20 कोचेस को नॉन एसी रखा गया है। जिनमें मरीजों को भर्ती किया जाएगा और उनका पूरा इलाज डॉक्टरों की निगरानी में होगा। जबकि एक कोच पूरी तरह से एसी है और इसी कोच में तमाम डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ के रहने की व्यवस्था की गई है। हर कोच में 16 बेड के साथ दो ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए हैं। इस ट्रेन में एक बार में 400 से ज्यादा मरीजों को भर्ती किया जा सकता है।

अनिल देशमुख को नहीं मिली अंतरिम राहत

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट से महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को कोई राहत नहीं मिली। उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को ख़ारिज करने का अनुरोध किया था। गुरुवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने देशमुख को कोई अंतरिम राहत नहीं दी। अदालत ने याचिका नामंजूर कर दी। मामले की अगली सुनवाई 10 जून को होगी। हाईकोर्ट ने देशमुख की याचिका का उत्तर देने के लिए सीबीआई को 4 हफ्ते का समय दिया है। न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति मनीष पिटले की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता आवश्यकता पड़ने पर हाई कोर्ट के अवकाशकालीन पीठ के समक्ष अपील करने के लिए स्वतंत्र होंगे, लेकिन उन्हें सीबीआई को मामले में 48 घंटे पहले अग्रिम नोटिस देनी होगी। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद गुरुवार को हाई कोर्ट से देशमुख को तत्काल कोई राहत नहीं मिली। क्या है मामला अंटीलिया के पास विस्फोटक सामग्री बरामद होने और ठाणे के व्यापारी मनसुख हिरन की हत्या से जुड़े मामले में मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। इसके बाद राज्य सरकार ने मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह का तबादला कर दिया। परमबीर ने तबादले के बाद राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर देशमुख पर कुछ पुलिस अधिकारियों के जरिए 100 करोड़ रुपये वसूली करवाने का आरोप लगाया। इस पत्र के सामने आने के बाद परमबीर सिंह, वकील जयश्री पाटिल सहित अन्य याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद हाई कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने प्रारंभिक जांच शुरू की और एफआईआर दर्ज किया।

तीसरी लहर की तैयारी में महाराष्ट्र, बच्चों के लिए कोविड केयर सेंटर

मुंबई, देशभर में कोराना की दूसरी लहर का कहर जारी है, तो वहीं तीसरी लहर आने को लेकर भी आशंका जताई जा रही है। कहा जा रहा है कि तीसरी लहर बच्चों को अपनी चपेट में ले सकती है और उनके लिए खतरनाक साबित हो सकती है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार कोरोना की तीसरी लहर को लेकर पहले से ही तैयारियों में जुट गई है। बच्चों को संक्रमण के प्रकोप से बचाने के लिए महाराष्ट्र में बाल कोविड केंद्र और एक बाल चिकित्सा टास्क फोर्स की स्थापना की जा रही है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा, 'तीसरी लहर 18 साल से छोटे बच्चों के लिए घातक हो सकती है। हम बच्चों की कोविड से देखभाल के लिए चाइल्ड कोविड केयर सेंटर बना रहे हैं। बच्चों को अलग वेंटिलेटर बेड और अन्य चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता होती है।' मंत्री ने यह भी कहा कि कोविड-संक्रमित बच्चों को अपनी मां के साथ रहने और विशेष बाल चिकित्सा वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, 'एक बाल चिकित्सा टास्क फोर्स बनी जाएगी। तीसरी लहर छोटे बच्चों को अधिक प्रभावित करेगी। अगर कोई बच्चा पॉजिटिव होता है तो वह अकेले नहीं रह सकता है। मां को बच्चे के साथ वहां रहना पड़ेगा। इसके अलावा बच्चों को विशेष बाल चिकित्सा वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी, जिसे खरीदने की जरूरत है।' राजेश टोपे ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन कदमों पर चर्चा की गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के विजय राघवन ने कहा था कि वायरस की तीसरी लहर आना निश्चित है। विशेषज्ञों का मानना है कि पहली लहर ने बुजुर्गों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, दूसरी लहर में युवा लोग संक्रमित हुए हैं और तीसरी लहर बच्चों के लिए घातक हो सकती है।

मई में आना शुरू हुआ कोरोना का डाउनफॉल, पॉजिटिविटी रेट घटा, डबलिंग रेट बढ़ा

मुंबई, कोरोना की दूसरी लहर को नियंत्रित करने में बीएमसी सफल होती दिखाई दे रही है। अप्रैल के बाद मई में कोरोना मरीजों का डाउनफॉल शुरू हो गया है। रोजाना मिल रहे कोरोना के नए मरीजों की संख्या घट रही है। इसके चलते कोरोना का पॉजिटिविटी रेट घट रहा और मरीजों के दोगुने होने की कालावधि (डबलिंग रेट) बढ़ गया है। मुंबई का पॉजिटिविटी रेट 1 मई को 10.39 फीसद था, जो घटकर शुक्रवार को 8.62 फीसद तक पहुंच गया। इसके साथ ही डबलिंग रेट बढ़कर 138 दिन हो गया है। कोरोना के दूसरे लहर में रोजाना नए मरीजों की संख्या 10 हजार के पार तक पहुंच गई थी, लेकिन बीएमसी ने इस लहर को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए। इसके चलते कोरोना नियंत्रित होते दिखाई दे रहा है।

इसी वजह से मुंबई में फिलहाल कोरोना मरीजों की संख्या तीन हजार पर आकर रुक गई है। विशेष रूप से बीएमसी ने कोरोना की दूसरी लहर की शुरुआत में अपनी टेस्टिंग दोगुनी कर दी थी। रोजाना मुंबई में 40 से 50 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट बीएमसी कर रही थी। इसी वजह से मार्च और अप्रैल की शुरुआत में मुंबई का पॉजिटिविटी रेट 20 फीसद तक पहुंच गया था। 5 अप्रैल के बाद से मुंबई का पॉजिटिव रेट घटना शुरू हो गया है। सिंगल डिजिट में पॉजिटिविटी रेट मई में तो पॉजिटिव रेट में और डाउन फॉल दिखा। 1 मई को मुंबई का पॉजिटिविटी रेट 10.99 फीसद था, जो 7 मई को घटकर एक डिजिट यानी 8.62 फीसद पर पहुंच गया। इसके अलावा डबलिंग रेट पर भी काफी असर पड़ा है। इसके अलावा मुंबई में पिछले सप्ताह यानी 1 मई को डबलिंग रेट 96 दिन था, जो 7 मई को बढ़कर 138 दिन हो गया। महज 7 दिन में डबलिंग रेट 42 दिन से बढ़ा है।

मौतों की संख्या घटी

मई में कोरोना से होने वाली मौत की संख्या भी घटने लगी है।

'सीबीआई की एफआईआर के कुछ हिस्से को हटाया जाए', राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में अर्जी दायर कर की मांग

मुंबई, राज्य सरकार ने पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के कुछ हिस्से पर आपत्ति जताई है। इसके लिए राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में अर्जी देकर एफआईआर के कुछ हिस्से को हटाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। साथ ही, आरोप लगाया गया है कि एफआईआर का कुछ हिस्सा प्रदेश की शिवसेना नीत गठबंधन वाली सरकार को अस्थिर करने की कोशिश का हिस्सा है। सीबीआई ने एफआईआर में निलंबित चल रहे मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाझे की पिछले साल सेवा में लेने और अन्य पुलिस अधिकारियों के तबादले को भी शामिल किया है। राज्य सरकार ने अपनी अर्जी में कहा है कि वकील जयश्री पाटील द्वारा देखमुख के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत में यह मुद्दे शामिल नहीं हैं। पाटील सहित अन्य लोगों की तरफ से कई याचिका दायर हुई थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने 5 अप्रैल को सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह परमबीर द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए गलत व्यवहार और भ्रष्टाचार के मुद्दे की प्रारंभिक जांच करे। झूठे आरोप लगाए, इसलिए गए कोर्ट: देशमुख एनसीपी नेता व राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख का कहना है कि मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह ने बदले की भावना से उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए हैं, जिसके चलते उन्हें न्याय के लिए बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। देशमुख ने भी सिंह पर कई सारे आरोप लगाए हैं। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक सामग्री के साथ एक गाड़ी बरामद होने से संबंधित मामले में देशमुख को पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह की भूमिका 'बेहद संदिग्ध' दिखाई दे रही है।

इस बार बारिश में फिर डूब सकती है भिवंडी!

भिवंडी, इस बार बारिश के दौरान भिवंडी के निचले इलाकों के डूबने से इनकार नहीं किया जा सकता है। जून के द्वितीय सप्ताह तक महाराष्ट्र में मानसून के आने की संभावना है। लेकिन इसके बावजूद अभी तक नाला सफाई का काम शुरू नहीं हो पाया है। मनपा प्रशासन का कहना है कि नाला सफाई के लिए निविदा निकाल दी गई है। निजी ठेकेदारों को 10 मई तक ऑनलाइन निविदा भरना है और 11 मई को सायं 4.01 बजे मनपा आयुक्त के समक्ष निविदा खोली जाएगी। इसके बाद ही संबंधित ठेकेदारों को नाला सफाई का काम युद्धस्तर पर शुरू करने का निर्देश दिया जाएगा।

बता दें कि लगभग 26 वर्ग किमी. में फ़ैले भिवंडी मनपा क्षेत्र में छोटे-बड़े कुल 101 नाला हैं, जिसकी लंबाई लगभग 43.33 किलोमीटर है। प्रभाग समिति क्रमांक-एक में 6.69 किमी लंबे 16 नाले हैं, जबकि प्रभाग समिति क्रमांक- दो में 10.37 किमी लंबे 16 नाले, प्रभाग समिति क्रमांक- तीन में 10.16 किमी लंबे 26 नाले, प्रभाग समिति क्रमांक-चार में 8.76 किमी लंबे 18 नाले एवं प्रभाग समिति क्रमांक-पांच में 7.95 किमी लंबे 25 नाले हैं।

1.28 करोड़ रुपये की निविदा निकाली शहर के नालों की साफ-सफाई के लिए मनपा प्रशासन की ओर से 1.28 करोड़ रुपये की निविदा निकाली गई है। प्रभाग समिति एक के लिए 29.08 लाख रुपये, प्रभाग समिति दो के लिए 26.84 लाख रुपये, प्रभाग समिति तीन के लिए 22.15 लाख रुपये, प्रभाग समिति चार के लिए 24.80 लाख रुपये एवं प्रभाग समिति पांच के लिए 24.78 लाख रुपये सहित कुल एक करोड़ 27 लाख 67 हजार 899 रुपये की निविदा निकाली गई है। निविदा की रकम में जीएसटी एवं ईपीएफ नहीं जोड़ी गई है। पिछली बार नहीं मिला था ठेकेदारों का प्रतिसाद मनपा के कनिष्ठ अभियंता का कहना है कि नाला सफाई के लिए इस वर्ष मनपा जीएसटी एवं ईपीएफ खुद भरेगी। पिछले वर्ष मनपा द्वारा दो बार निविदा निकाले जाने पर किसी भी ठेकेदार ने निविदा नहीं भरा। इसके बाद तीसरी बार निविदा निकालकर 0.01 प्रतिशत क़म दर पर चार ठेकेदारों को 1.56 करोड़ रुपये में नाला सफाई का ठेका दिया गया था। दूसरे सप्ताह तक फाइनल होगा टेंडर

मनपा प्रशासन की ओर से 11 मई को सायं 4.01 बजे निविदा खोली जाएगी। अगर पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ठेकेदारों ने निविदा नहीं भरा, तो मई के दूसरे सप्ताह में ही टेंडर फाइनल हो पाएगा। ठेकेदारों को नाला सफाई के लिए 45 दिन का समय दिया गया है। निविदा शर्त के तहत जून महीने तक सफाई पूरी हो जानी है, लेकिन एक जून तक केरल में मानसून का आगमन होने की संभावना मानसून विभाग ने जताई है। लगभग 10 जून तक मानसून कोंकण में आ जाएगा और 15 से 20 जून तक पूरे महाराष्ट्र में मानसून के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रशासन की लापरवाही वरिष्ठ नगरसेवकों का कहना है कि नाला सफाई की निविदा मार्च-अप्रैल में ही जारी होना था। मई में नाला सफाई का काम 70 प्रतिशत पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन मनपा प्रशासन की लापरवाही के कारण निविदा निकालने में देरी कर दी गई। मानसून का आगमन समय पर हो गया तो शहर के निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो जाएगी। पिछले वर्ष भी कोरोना महामारी के कारण नाला सफाई का काम पूरा नहीं हो पाया था। ठेकेदारों को चेतावनी देकर अभयदान दे दिया गया था।

6 मिनट वॉक करने के बाद जानें अपना ऑक्सीजन लेवल, ऑक्सीमीटर से चेक करने का सही तरीका

सोनल झालावाड़िया

आज पूरा देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। कोविड19 की यह दूसरी लहर पिछले साल से भी ज्यादा खतरनाक बताई जा रही है क्योंकि इस साल युवाओं में संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है और सांस लेने में परेशानी के चलते इस बीमारी ने और भी भयावह रूप ले लिया है। ऐसे में लोग बचाव के साथ समय पर इस बीमारी का पता लगाने के लिए समय-समय पर अपना ऑक्सीजन लेवल चेक कर रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह COVID-19 के लक्षणों से पीड़ित लोगों को 6 मिनट के टेस्ट के बारे में जागरूक करे। इस टेस्ट को घर पर बहुत आसानी से किया जा सकता है। आइए, जानते हैं इस टेस्ट को करने का तरीका -

ऐसे करें ऑक्सीजन लेवल चेक-

टेस्ट के बाद पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर लोगों को घर पर ऑक्सीमीटर का उपयोग करके अपने ऑक्सीजन के स्तर की जांच करनी चाहिए। लोग अपनी उंगली पर ऑक्सीमीटर लगाकर छह मिनट का वॉक टेस्ट भी कर सकते हैं। अपनी तर्जनी या मध्यमा अंगुली में ऑक्सीमीटर पहनें। अब 6 मिनट के लिए एक समान सतह पर विराम लिए बिना चलें। 6 मिनट के बाद, यदि ऑक्सीजन का स्तर नीचे नहीं जाता है, तो व्यक्ति को स्वस्थ माना जाता है।

ऐसे रखें नजर-

ऑक्सीजन का स्तर 1 फीसदी या 2 फीसदी कम हो जाए तो चिंता की कोई बात नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मामले में, व्यक्ति को ऑक्सीजन के स्तर पर नजर रखने के लिए दिन में एक या दो बार एक्सरसाइज करना चाहिए। यदि ऑक्सीजन का स्तर 93 प्रतिशत से कम हो जाता है और व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ होती है, तो व्यक्ति को तुरंत हॉस्पिटल जाना चाहिए। अस्थमा से पीड़ित लोगों के लिए टेस्ट की सलाह नहीं दी जाती है। साथ ही, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग छह के बजाय तीन मिनट तक वॉकिंग टेस्ट कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान-

ऐसे कपड़े और जूते पहनें जो हल्के और आरामदायक हों।

चलने के लिए बेंत, छड़ी या वॉकर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

टेस्ट करने से पहले हल्का भोजन करें।

आप अपनी सामान्य दवाएं ले सकते हैं।

टेस्ट के दो घंटे के भीतर व्यायाम न करें।

कोरोना महामारी के दौर में कैसे रखें थैलेसीमिया के मरीजों का ख्याल

संजय शर्मा

आधुनिक युग में जहां हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है। वहां अभी भी कुछ बीमारियों को लेकर जागरुकता की कमी है। ऐसी ही एक बीमारी है थैलेसीमिया। दुनियाभर में हर साल 8 मई को में वर्ल्ड थैलेसीमिया डे मनाया जाता है। थैलेसीमिया बच्चों को उनके माता-पिता से मिलने वाला आनुवांशिक रक्त रोग है, इस रोग की पहचान बच्चे में 3 महीने बाद ही हो पाती है।

क्या है थैलेसीमिया

थैलेसीमिया नामक बीमारी आनुवांशिक होती है। इस बीमारी का मुख्य कारण रक्तदोष होता है। यह बीमारी बच्चों को अधिकतर ग्रसित करती है तथा उचित समय पर उपचार न होने पर बच्चे की मृत्यु तक हो सकती है। सामान्य रूप से शरीर में लाल रक्त कणों की उम्र करीब 120 दिनों की होती है, परंतु थैलेसीमिया के कारण इनकी उम्र सिमटकर मात्र 20 दिनों की हो जाती है। इसका सीधा प्रभाव शरीर में स्थित हीमोग्लोबीन पर पड़ता है। हीमोग्लोबीन की मात्रा कम हो जाने से शरीर कमजोर हो जाता है तथा इस वजह से हमेशा किसी न किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगता है।

कोरोना महामारी के दौरान थैलेसीमिया के मरीजों के लिए चुनौतियां

थैलेसीमिया एक प्रकार का अनुवांशिक रक्त विकार है। कोविड महामारी को देखते हुए निश्चित रूप से थैलेसीमिया के मरीजों का इलाज बहुत हद तक बाधित हुआ है। डॉक्टर मोहित सक्सेना (कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हेमेटोलॉजी, नारायणा अस्पताल गुरुग्राम) के अनुसार सबसे अहम पहलू यह है कि रक्तदान के ज़रिए बहुत से थैलेसीमिया के मरीज़ों का इलाज होता है, लेकिन कोविड महामारी के कारण बेशक ब्लड डोनेशन कैंप नहीं लगाए जा सकते क्योंकि इनसे एक जगह बहुत से लोगों के एकत्रित होने और कोविड संक्रमण के फैलने का जोखिम है, इसलिए हमें अस्पताल या अन्य संस्थानों के ज़रिये खुद जाकर रक्तदान करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही क्योंकि थैलेसीमिया के मरीज़ों की इम्युनिटी कम होती है इसलिए उन्हें कोविड संक्रमण की गंभीरता का अधिक ख़तरा है इसलिए उन्हें कोविड से जुड़ें सभी नियमों का पालन सख्ती से करना चाहिए। साथ ही यदि किसी प्रकार के कोविड के लक्षण नज़र आए, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

शादी से पहले कपल्स को करानी चाहिए जेनेटिक स्क्रीनिंग

डॉक्टर सक्सेना के मुताबिक इस दौर में हमें सुनिश्चित करना होगा कि थैलेसीमिया के मरीजों के चेकअप समय-समय पर होते रहें, किसी प्रकार की बाधा न आए क्योंकि यह उनकी इलाज प्रक्रिया के सबसे अहम हिस्से होते हैं। प्रत्येक थैलेसीमिया के मरीज को सामान्य जीवन जीने का पूरा अधिकार है इसलिए उनके साथ सभी को सहयोग करना चाहिए। इसके अलावा भावी दम्पति शादी से पहले अपनी अपनी जेनेटिक स्क्रीनिंग करवाएं, तो यह अधिक उचित है क्योंकि इससे होने वाले शिशु में थैलेसीमिया होने की आशंका का पता लगाया जा सकता है, और निर्णय लिया जा सकता है।

बच्चों को अच्छी आदतें सिखाने के चक्कर में इन बातों का न लें सहारा

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

लालच देकर कोई काम न कराएं

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं,

वेट लॉस करने के लिए इन चार तरीकों से बनाएं अंडे

वजन घटाने के लिए खाने में प्रोटीन का होना बहुत जरूरी है। प्रोटीन आपके शरीर का मेटाबॉलिजम ठीक रखता है। साथ ही आपकी भूख भी कम करता है। सबसे खास बात यह है कि ये बेली फैट कम करता है। वहीं, जब हम प्रोटीन की बात करते हैं तो सबसे पहले हमारे दिमाग में अंडे का ख्याल आता है। अंडा एक सूपर फूड है इसमें कई मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। वहीं सही तरह से अंडा खाने से आप आसानी से वजन घटा सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही हेल्दी अंडा रेसिपी बता रहे हैं, जिससे आपका बेली फैट जल्द घटेगा-

स्क्रैम्बल्ड एग

स्क्रैम्बल्ड एग बनाने में बहुत आसान है ये वजन घटाने के साथ आपको हेल्दी भी रखता है। साथ ही इस आप फ्रूट्स, कच्ची सब्जियां किसी के साथ भी खा सकते हैं।

ऑमलेट

ऑमलेट अंडे की सबसे फेमस रेसिपी है। इसे आप अपने हिसाब से बना सकते हैं।

एग बिद बीन्स

बीन्स प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसे आप अंडे के साथ

बना सकते हैं। इसे साथ में बनाएं और खाएं। इसे खाने से काफी समय तक भूख नहीं लगती।

अंकुरित सलाद के साथ एग

अंकुरित सलाद के साथ एग आपकी सेहत का भी ख्याल रखता है और साथ ही आपको वजन घटाने में भी मदद करता है। ये खाने में टेस्टी और कैलोरी फ्री भी होता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि वाले जातकों के कॅरियर के लिए समय अच्छा नहीं है। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य को सराहना नहीं मिलेगी। उच्चाधिकारियों से संबंध बिगड़ सकते हैं। अधीनस्थों को साथ लेकर चलने का प्रयास करें। कारोबारी लोग कार्य विस्तार करेंगे। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवार का सपोर्ट रहेगा।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में भारी विरोधों का सामना करना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए अपनी टीम और अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। अपना व्यवहार संतुलित रखें। इस सप्ताह आपके प्रभाव क्षेत्र में भी वृद्धि होने वाली है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। भूमि, भवन खरीदने का मौका मिलेगा।

मिथुन : इस सप्ताह मिथुन राशि के लोगों के मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक प्रगति की राह पर आगे बढ़ेंगे। पुराने अटके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें, वक्त की मांग के अनुसार कार्य करने से लाभ होगा। नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह मानसिक परेशानियों से जूझेंगे।

कर्क : इस राशि के जातकों को कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ अच्छे अवसर आएंगे। लेखन, साहित्य से जुड़े लोगों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट, अनुबंध मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के योग ठीक हैं लेकिन खर्च भी होगा।

सिंह : आपके लिए सप्ताह मिला-जुला रहेगा। व्यापार में वक्त की जरूरत के लिहाज से नए प्रयोग करें। किसी प्रकार के वाद-विवाद में फंस सकते हैं। अपने मित्रों के साथ संबंधों में खटास आ सकती है। परिवार में भाई-बंधुओं के साथ संबंध बिगड़ सकते हैं। कोशिश करें कि विवादित स्थितियों से खुद को दूर रखें।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के करियर के लिए सप्ताह ठीक नहीं है। कार्यक्षेत्र में मेहनत के अनुसार परिणाम नहीं मिलेगा। उच्चाधिकारियों के साथ विवाद हो सकता है। किसी महत्वपूर्ण कार्य और निर्णय में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों के लिए यह सप्ताह थोड़ा कमजोर रहेगा।

तुला : व्यापारियों को बिजनेस में नुकसान की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। साझेदारी में कोई काम शुरू करेंगे तो आपको लाभ की स्थिति बनेगी। इस सप्ताह अविवाहित लोगों के विवाह की बात अटक सकती है। धन संबंधी मामलों के लिए समय ठीक नहीं है। बेवजह का खर्चा होगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर किसी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। अधीनस्थ लोग आपकी तरक्की से जलेंगे और आप पर किसी प्रकार का आरोप-प्रत्यारोप लगा सकते हैं। सतर्क रहें। कारोबार प्रभावित रहेगा। मानसिक परेशानियां आएंगी, लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करना है।

धनु : धनु राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारी लोग अपने काम को विस्तार देने की कोशिश करेंगे लेकिन कामयाब नहीं हो पाएंगे। परिवार और दोस्तों का सहयोग जरूर मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ के योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा।

मकर : यंग प्रोफेशनल्स के लिए यह सप्ताह महत्वपूर्ण है। आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। सामाजिक सेवा कार्यों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। जरूरतमंदों की मदद करनी पड़ सकती है। इसके लिए आपको अपनी टीम को साथ लेकर चलना होगा। पारिवारिक स्थिति में खुशनुमा माहौल रहेगा।

कुंभ : आपके व्यवसाय के लिए सप्ताह अच्छा नहीं कहा जा सकता। कार्य में शिथिलता आएगी। नया कार्य प्रारंभ करने का विचार कर रहे हैं, तो थोड़ा रूक जाएं। इस सप्ताह आप दूसरों की मदद करने के लिए आतुर रहेंगे। लोग भी आपसे अपेक्षा रखेंगे। अच्छे व्यवहार के चलते आप पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में लोकप्रिय होंगे।

मीन : मीन राशि के जातकों के करियर के लिहाज से समय अच्छा है। सही दिशा में मेहनत करने से कार्यक्षेत्र में पूर्ण सफलता मिलने के योग हैं। परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा वक्त बीतेगा। आपके आर्थिक मसलों के लिए नया सप्ताह बहुत फायदेमंद साबित होने वाला है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे।

चुटकुले

जिस आदमी ने आज के समय में पत्नी, नौकरी और स्मार्टफोन के बीच में सामंजस्य बैठा लिया हो,
वह पुरुष नहीं महापुरुष है।

पत्नी की सहेली मिलने आई
बातचीत के बाद पति ने पत्नी से कहा - प्रिये,
गैस पर चढ़ी दाल जल रही है
पत्नी - दाल जले तो जले, लेकिन मैं तुम्हारी दाल गलने नहीं दूंगी

गोलू ने गर्लफ्रेंड से पूछा - तुम चाइनीज जैसी क्यों दिखती हो?
गर्लफ्रेंड - मेरे मम्मी चीन की थी।
गोलू - तुमने कभी मिलवाया नहीं?
गर्लफ्रेंड - वो अब इस दुनिया में नहीं रही।
गोलू - हां, चाइनीज माल ज्यादा दिन तक टिकता कहां है?

दिल्ली में 3 महीने में टीकाकरण पूरा करने के लिए हमें हर दिन 3 लाख वैक्सीन लगानी होंगी : अरविंद केजरीवाल

कोरोना महामारी पर काबू पाने के लिए राजधानी दिल्ली में चल रहे अब तक के सबसे बड़े कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि यदि हमें पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की डोज मिलती हैं, तो हम 3 महीने के भीतर टीकाकरण पूरा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली की जनसंख्या 2 करोड़ है।

1 करोड़ लोग 18 साल से ऊपर, 50 लाख 18 साल से कम उम्र और 50 लाख 45 साल से ऊपर हैं। दिल्ली में 18 वर्ष से ऊपर के 1.5 करोड़ लोग हैं, इसलिए हमें 3 करोड़ डोज की आवश्यकता है। इनमें से दिल्ली सरकार को अब तक केवल 40 लाख डोज ही मिली है। हमें 2.6 करोड़ डोज और चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली सरकार को हर महीने COVID-19 वैक्सीन की 80-85 लाख डोज दी जाती हैं तो हम तीन महीने के भीतर टीकाकरण पूरा कर सकते हैं। 3 महीने में टीकाकरण पूरा करने के लिए, हमें हर दिन 3 लाख लोगों का वैक्सीन लगानी हैं। वर्तमान में, हम एक दिन में 1 लाख लोगों को वैक्सीन लगा रहे हैं। हम बड़े आराम से अपनी कैपेसिटी 3 लाख वैक्सीन की कर सकते हैं। केंद्र सरकार से निवेदन है कि हमें उचित मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए।

केजरीवाल ने कहा कि जब से दिल्ली में 45 साल से कम उम्र के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है, युवाओं में काफी उत्साह है। हमनें स्कूलों में टीकाकरण की जो व्यवस्था की है, उससे लोग काफी खुश है।

अभी 100 स्कूलों में टीकाकरण की व्यवस्था है, आने वाले समय में हम इसे बढ़ाकर 300 स्कूलों तक करेंगे। हमने इसके लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। आज दिल्ली में रोज करीब एक लाख वैक्सीन लग रही हैं, 50,000 वैक्सीन 45 साल से कम उम्र के लोगों और 50,000 वैक्सीन 45 साल से अधिक उम्र के लोगों को लग रही हैं।

दिल्ली के बाहर से भी लोग यहां आकर वैक्सीन लगवा रहे हैं, जिनमें नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के इलाकों के लोग है उन्हें भी दिल्ली में हमारी व्यवस्था पसंद आ रही है। आज वैक्सीन की बहुत कमी है।

अगर हमें पर्याप्त वैक्सीन मिल जाए तो हम तीन महीने में पूरी दिल्ली को वैक्सीनेट करना चाहते हैं। दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र के 1.5 करोड़ लोग हैं तो 3 करोड़ वैक्सीन चाहिए।

दिल्ली सरकार को अब तक कुल 40 लाख वैक्सीन मिली हैं।

मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि दिल्ली को पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

वैक्सीन की कमी से 18+ वालों का बढ़ेगा इंतजार, महाराष्ट्र में अब इस एज ग्रुप वाले लोगों को पहले टीका देने पर विचार

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में देशभर में 1 मई से ही वैक्सीनेशन के तीसरे चरण का आगाज हो चुका है, मगर कई राज्यों में अब भी टीकों की कमी की वजह से 18 से 44 साल के उम्र वाले लोगों के लिए टीकाकरण शुरू नहीं हो पाया है। 18 से 44 साल के बीच वाले लोगों के लिए वैक्सीन की किल्लतों से जूझ रहा महाराष्ट्र अब एक अलग प्रायोरिटी ग्रुप को पहले वैक्सीन देने पर विचार कर रहा है। शुक्रवार को सरकार ने इशारा किया कि टीकों की कमी और टीकाकरण केंद्रों पर उमड़ रही भीड़ को कंट्रोल करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र सरकार अब सबसे पहले 35 से 44 साल की उम्र वाले लोगों को वैक्सीन देने पर विचार कर रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश तोपे ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जल्द ही इस पर फैसला ले सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि 18-34 आयु वर्ग के लोगों को वैक्सीन तब लगेगी, जब हमारे पास पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। टोपे ने कहा कि यह यह कदम तब उठाया गया है, जब हमने ऐसे कई उदाहरण देखे, जहां शहरी क्षेत्रों के लोगों ने ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण केंद्रों पर अप्वाइंटमेंट ले रखी है। बता दें कि फिलहाल, राज्य में 18-44 आयु वर्ग के नागरिकों को एक जिले में केवल पांच केंद्रों पर वैक्सीन दी जा रही है, क्योंकि खुराक की संख्या सीमित है। राज्य ने टीकाकरण अभियान की शुरुआत 300,000 कोविशील्ड डोज के साथ शुरू की और बाद में कोवैक्सिन की 479,000 खुराक खरीदी। महाराष्ट्र में 1 मई से अब तक 18-44 श्रेणी में 215,284 नागरिकों को टीका लगाया गया है।

वैक्सीनेशन: 18 से 44 वालों के 9 मई को खोले जाएंगे स्टाल, तय डेट होगा वैक्सीनेशन

कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगवाने की आस में बैठे 18 से 44 साल के लोगों के लिए खुशखबरी है। रविवार को वैक्सीनेशन आवंटन के लिए स्टॉल खोले जाएंगे। इसके बाद तय समय के लोग आवंटित तारीख को चुने गए केंद्र पर जाकर टीका लगवा सकेंगे। अभी आठ मई तक सभी तारीखें भरी हैं। नए लोगों को वैक्सीन लगवाने की तारीख नहीं मिल पा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है शनिवार तक राजधानी में वैक्सीन की बड़ी खेप आने की उम्मीद है। वैक्सीन आने के बाद रविवार से स्लॉट आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अभी रोजाना 18 से 44 साल के 3200 लोगों को बुलाया जा रहा है। इसमें करीब 2700 से 3000 लोग ही पहुंच रहे हैं। इससे टीकाकरण की रफ्तार काफी सुस्त है। हजारों लोग पंजीकरण के बाद स्लॉट न मिलने से टीका नहीं लगवा पा रहे हैं। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एमके सिंह के मुताबिक पंजीकरण करा चुके लोगों को रविवार से टीकाकरण की तारीख व केंद्र का आवंटन होगा। लखनऊ में अब तक करीब सवा छह लाख लोगों को पहली व दूसरी डोज लग चुकी है। इस उम्र के करीब 12 हजार लोगों को को-वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

सीएम योगी पहुंचे मुरादाबाद, इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को हेलीकॉप्टर से सर्किट हाउस पहुंचे वहां पर सलामी लेने के साथ ही अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात की इसके बाद सड़क मार्ग से सीधे सर्किट हाउस से लोको शेड पुल होते हुए कलेक्ट्रेट स्थित इंटीग्रेटेड कोविड-19 कमांड सेंटर पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री के जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था रही।

मुख्यमंत्री का काफिला दिल्ली रोड से गुजरने से पहले ट्रैफिक को रोक दिया गया। राहगीरों की पुलिस से नोक-झोंक भी हुई, लेकिन पुलिस ने किसी को भी जाने की इजाजत नहीं दी। सीएम का काफिला गुजरने के बाद ही लोगों को जाने की इजाजत दी गई।

इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, डीआईजी शलभ माथुर, डीएम राकेश कुमार सिंह और एसएसपी प्रभाकर चौधरी समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

मुरादाबाद से वापस 02:25 बजे बरेली पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शनिवार को बरेली और मुरादाबाद मंडल मुख्यालय पर अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। इसके बाद दोनों मंडलों के अन्य जनपदों से वर्चुअल बैठक कर दिशा निर्देश देंगे। जनप्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर हालात की जानकारी लेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजकीय वायुयान द्वारा सुबह 10:25 पर बरेली त्रिशूल एयर फोर्स स्टेशन पहुंचे। 11:10 पर त्रिशूल एयर फोर्स स्टेशन से मुरादाबाद के लिए रवाना हो गए। 02:05 पर सर्किट हाउस मुरादाबाद से बरेली पुलिस लाइन के हेलीपैड के लिए रवाना होंगे 02:30 बजे बरेली पुलिस लाइन पहुंचेंगे।

इसके बाद सर्किट हाउस जाएंगे 3:00 बजे तक सर्किट हाउस तक उनके कार्यक्रम को आरक्षित रखा गया है।

सासाराम में हत्या के विरोध में सड़क पर लोगों ने किया बवाल, पुलिस टीम पर फेंके पत्थर

रोहतास जिले के बिक्रमगंज के शहर के थाना चौक स्थित गांव में शुक्रवार की देर रात पैसे के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह हत्या के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर बवाल काटा। आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम पर लोगों ने पत्थर फेंके। भीड़ को शांत करने के लिए पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया।

मृतक युवक मो.राशिद उम्र करीब 22 वर्ष बिक्रमगंज थाना चौक का रहने वाला बताया जाता है। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए शव को कब्जे में ले लिया। घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान पर एफआईआर दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेजा रहा है। दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस घटना की विस्तृत जांच कर रही है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने छापेमारी कर घटना में शामिल मो.राजन नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के बारे में बताया जाता है कि जुए के खेल में दो युवकों के बीच पैसे के आपसी विवाद को लेकर शुक्रवार के देर रात जमकर मारपीट की घटना घटित हो गयी। इसी बीच मारपीट की घटना में मो.रसीद नामक युवक को गमम्भीर चोट लग गयी। जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गयी। घटना के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

फसल की रखवाली करने गए किसान की गला काटकर हत्या, कटा सिर भी लापता

अयोध्या जिले में मवई थाना क्षेत्र के ग्राम सैमसी में फसल की रखवाली करने गए एक अधेड़ की धारदार औजार से गला काट कर हत्या कर दी गई। हत्यारे मृतक का कटा सिर भी उठा ले गए। घटना की जानकारी परिजनों को सुबह हुई तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

ग्राम सैमसी निवासी राम नाथ कोरी (52) पुत्र विदेशी का खेत व ट्यूबबेल गांव से थोड़ी दूर पर है। मृतक रोज की भांति शुक्रवार की रात को भी ट्यूबबेल व फसल की रखवाली करने गया था। जहां अज्ञात हत्यारों ने धारदार औजार से उसका धड से सिर काटकर अलग कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारे मृतक का कटा हुआ सिर भी उठा ले गए। शनिवार की सुबह जब काफी देर बाद भी मृतक घर नहीं लौटा तो परिजन उसे तलाशते हुए ट्यूबवेल पर पहुंचे। वहां का नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मृतक का सिर कटा हुआ शव चारपाई से नीचे औंधे मुंह पड़ा हुआ था। रोते चिल्लाते हुए परिजन घर पहुंचे और घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी।

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे मवई थाना प्रभारी विश्वनाथ यादव व सैदपुर चौकी प्रभारी विनय यादव ने घटना की छानबीन शुरू की। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। मृतक अविविहाहित भी था। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है।

बिहार में कोरोना का दिखा खौफनाक चेहरा, पति के बाद अब पत्नी की भी मौत, बेटी ने पीपीई किट पहन मां को किया दफन

बिहार के अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के बिशनपुर पंचायत स्थित मझुलता गांव में कोरोना संक्रमित दंपती की मौत हो गई। चार मई को पूर्णिया में इलाज के दौरान पति की मौत हुई तो वहीं शुक्रवार की देर रात पत्नी ने दम तोड़ा। इस घटना के बाद परिजन के घरों में कोहराम मचा है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे है। मृत दंपति की बड़ी बेटी सोनी ने पीपीई किट पहनकर अपनी मां के शव को गड्ढे में दफन किया।

वहीं ग्रामीणों के मुताबिक दोनो पति-पत्नी 28 अप्रैल को एक साथ कोरोना संक्रमित हुए थे। इसके बाद दोनों को इलाज के लिए पूर्णिया ले जाया गया। पूर्णिया में इलाज के दौरान तीन मई को पति की मौत हो गयी। इसके बाद पत्नी का इलाज जारी था। इस दौरान परिजनों के पास इलाज केलिए पैसे नहीं होने के कारण पत्नी को हॉस्पिटल से बुधवार को घर लाया गया। इस बीच गुरुवार की देर रात को पत्नी की तबियत काफी बिगड़ने लगी। स्थानीय मुखिया सरोज कुमार मेहता की मदद से उसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल फारबिसगंज ले जाया गया। फारबिसगंज में गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मधेपुरा रेफर कर दिया।

मधेपुरा जाने के दौरान रास्ते मे ही पत्नी की मौत हो गयी। घटना को लेकर स्थानीय मुखिया सरोज कुमार मेहता ने बताया कि तीन मई को पूर्णिया में इलाज के दौरान पति की मौत के बाद जब पत्नी को होंश आया तो बिस्तर पर पति को नहीं देखा। इसके बाद परिजनों ने उसको पति की मौत होने की जानकारी दी।

इसके बाद पत्नी की लगातार तबियत बिगड़ने लगी थी। इधर रानीगंज रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि दोनों की मौत कोरोना से हुई है। दोनो पति पत्नी कोरोना पोजोटिव थे। इस दौरान मझुलता गांव में कई बार एम्बुलेंस भेजा गया था।

बच्चों की इम्यूनिटी के आगे कोरोना का निकला दम, दूसरी लहर में पटना के 1670 बच्चों ने संक्रमण को दी मात

कोरोना की दूसरी लहर पर बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता भारी है। दूसरी लहर में पटना के 1670 बच्चे कोरोना को मात देकर बीमारी से ठीक हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि इनमें ज्यादातर बच्चों ने बगैर अस्पताल गए बीमारी पर काबू पा लिया है। जिला प्रशासन ने ऐसे बच्चों की सेहत पर निगरानी के लिए गठित एक टीम को नजर रखने को कहा है ताकि ये बच्चे पुन: बीमारी की चपेट में नहीं आ सकें।

जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 25 मार्च से 6 मई के बीच पटना जिले में 13 साल तक के 2639 बच्चे संक्रमित हुए हैं। इसमें 1670 बच्चों ने बीमारी पर विजय पा ली है। इनकी सेहत की निगरानी एक टीम द्वारा की जा रही थी। अभी भी 969 बच्चे ऐसे हैं, जिनमें बीमारी सक्रिय है। बीमार हुए बच्चों में ज्यादातर घर पर ही ठीक हुए हैं। विशेषज्ञ इसका मुख्य कारण बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होना बता रहे हैं। शहरी क्षेत्र में कोरोना वायरस का प्रभाव बच्चों पर अधिक रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों पर इस बीमारी का प्रभाव काफी कम रहा है। बीमार होने वाले बच्चों में मात्र 5 फीसदी ग्रामीण क्षेत्र के हैं, जबकि 95 फीसदी बच्चे शहरी क्षेत्र के हैं।

केस 1

7 अप्रैल को बाढ़ के संजीव प्रसाद संक्रमित हुए थे। संजीव किराना व्यवसायी हैं। इनके तीन बच्चे हैं। वह घर में ही अलग रह रहे थे लेकिन 4 दिन बाद तीनों बच्चे एवं पत्नी को भी खांसी और बुखार हो गयी। जांच में सभी संक्रमित निकले। संजीव बताते हैं कि दवाइयों के साथ साथ आयुर्वेदिक नुस्खे ने ज्यादा काम किया। हल्दी युक्त दूध, सेंधा नमक डालकर पानी में गरारा करना, नींबू और संतरे का उपयोग कराया। एक सप्ताह के अंदर तीनों बच्चे ठीक हो गए लेकिन पति-पत्नी को ठीक होने में 15 से 20 दिन लग गए।

केस 2

विजयनगर के रहने वाले उपेंद्र पांडे का एकलौता बेटा 17 अप्रैल को संक्रमित हो गया। उसकी उम्र 12 वर्ष है। बेटे में संक्रमण उपेंद्र के कारण ही हुआ था। इसीलिए वे और ज्यादा परेशान थे।

मुरादाबाद में सीएम दौरे से दो घंटे पहले पुलिस ने कर दी बैरिकेडिंग, मरीजों-तीमारदारों की भी नहीं सुनी

कोरोना के बढ़ते मामलों और मौतों के बीच हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मुरादाबाद पहुंचे हैं लेकिन पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर उनके दौरे से दो घंटे पहले ही जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाकर पब्लिक को रोक दिया। इस दौरान कई मरीज और उनके तीमारदार भी पुलिस की घेराबंदी में फंसे रहे।

वे पुलिसवालों की मिन्नतें करते रहे लेकिन पुलिस ने किसी की नहीं सुनी। निराश होकर लोगों को वापस लौटना पड़ा।

मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनज़र मुरादाबाद पुलिस सुबह से ही अलर्ट पर थी। दौरे से पहले पुलिस के तेवर अचानक बदल गए। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर जगह-जगह सड़कों पर घेराबंदी कर दी गई।

इससे जरूरी कामों से निकले आम लोगों को तमाम दुश्वारियों का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री के दौरे के दो घंटे पहले ही पीली कोठी से गुरहट्टी जाने वाले रास्ते पर बेरीकेडिंग कर दी गई। इससे दवा-इलाज के लिए जा रहे लोगों को काफी दिक्कत हुई। कुछ लोग डाक्टर को एक्स-रे दिखाने जा रहे थे।

उन्हें भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जैन मंदिर पर मौजूद पुलिस ने बीमार लोगों की भी नहीं सुनी।

सख्ती के साथ वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। कलेक्ट्रेट की ओर जाने वाले रास्ते पर भी घेराबंदी रहीं। बेरीकेडिंग लगाकर सारे रास्ते बंद कर दिए गए।

SPORTS खेल जगत

भारत के पूर्व विकेटकीपर सबा करीम ने बताया, IPL 2021 का अपना फेवरेट स्पैल

बीते मंगलवार आईपीएल 2021 को कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। स्थगित होने से पहले इस लीग में फैन्स को बल्लेबाजों और गेंदबाजों द्वारा कई दमदार प्रदर्शन देखने को मिले। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम से जब उनके इस सीजन में पसंदीदा स्पैल की बात की गई तो उन्होंने एक मैच में पांच-पांच विकेट लेने वाले आंद्रे रसेल या हर्षल पटेल का नाम नहीं लिया, बल्कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम लिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सिराज के प्रदर्शन को अपना फेवरेट स्पैल बताते हुए सबा करीम ने कहा कि, इस मैच में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की थी, जिसके चलते वे आंद्रे रसेल को बड़े शॉट्स लगाने में रोक पाए थे। बता दें कि इस मैच में सिराज ने सिर्फ 3 ओवर फेंके और किफायती गेंदबाजी करते हुए मात्र 17 रन ही दिए थे।

कोरोना पॉजिटिव निकले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, 1 दिन पहले ही हुआ इंग्लैंड दौरे के लिए चयन

आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके साथ ही कृष्णा केकेआर के चौथे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो इस साल कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। उनसे पहले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट, संदीप वॉरियर और वरुण चक्रवर्ती भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इस बात की सूचना एएनआई ने दी है।बता दें कि प्रसिद्ध कृष्णा को एक दिन पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हालांकि उन्हें स्टैंडबाय गेंदबाज के तौर पर टीम में जगह मिली है। प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा सिलेक्टर्स ने अभिमन्यु ईश्वरन, आवेश खान और अर्जन नगवासवाला को भी स्टैंडबाय खिलाड़ियों के तौर पर टीम में रखा है।

केन विलियमसन समेत न्यूजीलैंड के तीन खिलाड़ी बायो-बबल को छोड़कर मालदीव के लिए हुए रवाना, जानें क्या है वजह

आईपीएल 2021 के स्थगित होने के बाद भारत में रुके न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, मिचेल सैंटनर और काइल जैमीसन और फिजियो टॉमी सिमसेक मालदीव के लिए रवाना हो गए हैं। विलियमसन समेत तीन कीवी प्लेयर्स को दिल्ली के मिनी बायो-बबल में रखा गया था, लेकिन भारत में कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए उन्होंने मालदीव जाने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ 18 से 22 जून के बीच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेलना है। 'क्रिकबज' की खबर के अनुसार, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भारत के हालात को देखते हुए सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे और इसी वजह से वह चेन्नई सुपर किंग्स के ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ियों के साथ मालदीव के लिए रवाना हो गए। क्रिकबज से बात करते हुए एक फ्रेंचाइजी के ऑफिशियल ने कहा, 'हमको इस बात की जानकारी दी गई कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी दिल्ली के बबल में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं और वह इस बात को लेकर भी आश्वस्त नहीं थे कि वह यूके के लिए कब रवाना होंगे।

आशीष नेहरा ने बताया, इस वजह से पृथ्वी शॉ को टीम इंडिया में मिलने चाहिए ज्यादा मौके

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने पृथ्वी शॉ की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी ने अपनी तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि 21 साल के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को ज्यादा मौके देने चाहिए थे जब चीजें उनके मुताबिक नहीं हो रही थी। शॉ टीम इंडिया की तरफ से आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में खेले थे।जहां उनकी तकनीकी खामियां सामने आई थी।

एडिलेट टेस्ट में वो पहली पारी में जीरो और दूसरी पारी में 2 रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद बाकी टेस्ट मैचों के लिए टीम इंडिया से उनकी छुट्टी हो गई थी। आशीष नेहरा ने कहा है कि ये काफी कठिन फैसला था। नेहरा ने क्रिकबज से कहा कि जहां तक तकनीक का सवाल है किसी भी खिलाड़ी के लिए इसे एडजस्ट करना कठिन होता है।

एडिलेट टेस्ट के दौरान वो ऐसा खिलाड़ी नहीं था जिसे 30 से 40 टेस्ट मैच का अनुभव हो। हम एक युवा खिलाड़ी के बारे में बात कर रहे हैं।

माइकल हसी की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का किया धन्यवाद

चेन्नई सुपर किंग्स के बैटिंग कोच माइकल हसी की कोरोना टेस्ट की ताजा रिपोर्ट नेगेटिव आई हैं। हालांकि, इसके बावजूद वह अभी चेन्नई के एक होटल में क्वारंटाइन रहेंगे। टीम के सीईओ काशी विश्वनाथ ने इस बात की जानकारी दी है। हसी ने चेन्नई की टीम को उनका अच्छे से ख्याल रखने के लिए धन्यवाद किया है। सीएसके की तरफ से हसी और बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। जिसके बाद बीसीसीआई ने आईपीएल 2021 को स्थगित करने का फैसला किया था। विश्वनाथ ने कहा ,'वह दिल्ली से चेन्नई एयर एंबुलेंस में रवाना होने से पहले ही नेगेटिव थे। वह ठीक हैं। बाकी विदेशी खिलाड़ी जा चुके हैं । कोच स्टीफन फ्लेमिंग कल रवाना होंगे।' आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, कोच , कमेंटेटर गुरूवार को मालदीव रवाना हो गए जहां से वे आस्ट्रेलिया जाएंगे । आस्ट्रेलिया ने कोरोना महामारी के बढते मामलों के कारण भारत से आने वाली उड़ानों पर 15 मई तक प्रतिबंध लगा रखा है। हसी ने उनका पूरा ख्याल रखने के लिये चेन्नई टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने सिडनी हेराल्ड के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'मैं आराम कर रहा हूं और बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं सीएसके का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरा बहुत ख्याल रखा।

भारत में इस समय भयावह स्थिति है और मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे पूरा सहयोग मिला।'कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती और संदीप वॉरियर सबसे पहले कोरोना की चपेट में आए थे, जिसके बाद केकेआर और बैंगलोर के बीच होने वाले मैच को रिशेड्यूल कर दिया गया था।

इसके बाद चेन्नई की टीम में भी कई लोग इस वायरल की चपेट में आए और हैदराबाद के बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे।

देश परदेश

हर्षवर्धन ने अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री से की बात- कोरोना के खिलाफ जंग में मिला US से मदद का भरोसा

कोरोना के संक्रमण के कारण भारत में लगातार बिगड़ रहे हालात के बीच आज केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा की। इस दौरान अमेरिका ने भारत को कोविड-19 के खिलाफ जंग में जुड़ने, सहयोग करने और बढ़ते संकट से निपटने में मदद की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया है। दोनों देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने भारत में कोविड-19 के मौजूदा बढ़ते मामलों को लेकर चर्चा की है।

अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएसएस) मंत्री जेवियर बेसेरा और स्वास्थ्य मंत्री हर्ष वर्धन के बीच शुक्रवार को हुई एक डिजिटल बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि कोविड-19 पर भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग न सिर्फ हमारे दोनों देशों के स्वास्थ्य के लिये अहम है बल्कि इस महामारी के खिलाफ वैश्विक प्रतिक्रिया के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक दोनों मंत्रियों ने भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर चर्चा की और संकट के इस समय में भारत के लिये मजबूत अमेरिकी समर्थन की बात फिर दोहराई।

बच्चों के स्कूल में एडमिशन को आरोपी ने मांगी अंतरिम जमानत, दिल्ली पुलिस ने कहा- हम करेंगे मदद

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट को बताया कि वह जबरन वसूली गैंग चलाने के आरोपी एक व्यक्ति के बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए उसके परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए तैयार है।

मकोका अधिनियम के कड़े आरोपों के तहत गिरफ्तार आरोपी नब्बीर उर्फ सब्बीर ने अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में पेश होकर यह जानकारी दी। आरोपी नब्बीर ने अपने दो नाबालिग बच्चों का स्कूल में दाखिला कराने के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी।

दिल्ली पुलिस ने कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव की अदालत को बताया कि आवेदक के परिवार में और भी सदस्य हैं, जो उसके बच्चों का स्कूल में दाखिला करवा सकते हैं।

अदालत में पेश होकर सहायक पुलिस आयुक्त (सीलमपुर) ने कहा कि अभियुक्त के बच्चों का स्कूल में दाखिला कराने के लिए यदि इस संबंध में उसके परिवार की ओर से कोई अनुरोध किया जाता है तो पुलिस उनकी पूरी मदद करेगी।

कोरोना: जेलों से भीड़ कम करने को सुप्रीम कोर्ट का आदेश- कैदियों को करें रिहा

देश में कोविड-19 के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को जेलों में भीड़ कम करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिन कैदियों को पिछले साल महामारी के मद्देनजर जमानत या पैरोल दी गई थी उन सभी को फिर वह सुविधा दी जाए।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की एक पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर बनाई गई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की उच्चाधिकार प्राप्त समितियों द्वारा पिछले साल मार्च में जिन कैदियों को जमानत की मंजूरी दी गई थी, उन सभी को समितियों द्वारा पुनर्विचार के बगैर पुन: वह राहत दी जाए, जिससे विलंब से बचा जा सके।

कोर्ट की वेबसाइट पर शनिवार को अपलोड हुए आदेश में कहा गया,

''इसके अलावा हम निर्देश देते हैं कि जिन कैदियों को हमारे पूर्व के आदेशों पर पैरोल दी गई थी उन्हें भी महामारी पर लगाम लगाने की कोशिश के तहत फिर से 90 दिनों की अवधि के लिये पैरोल दी जाए।''

एक फैसले का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से कहा कि उन मामलों में यांत्रिक रूप से गिरफ्तारी से बचें जिनमें अधिकतम सजा सात वर्ष की अवधि की है।

पीठ ने उच्चाधिकार प्राप्त समितियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशानिर्देशों को अपनाते हुए नए कैदियों की रिहाई पर विचार करें।

10 मई को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक, विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार पर होगी समीक्षा

हाल में बीते विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में देश की सबसे पुरानी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। इसके अलावा असम में भी निराशा ही हाथ लगी है। कांग्रेस पार्टी ने कार्यसमिति की बैठक 10 मई को बुलाई है। इस बैठक में हार की समीक्षा की जाएगी और कारणों का पता लगाया जाएगा।

आपको बता दें कि कांग्रेस पार्टी को असम और केरल की सत्ता में वापसी की उम्मीद थी। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इसके लिए आक्रमक तरीके से प्रचार भी किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। दोनों ही राज्यों में कांग्रेस की सीटों में कमी हुई है। कांग्रेस को पुडुचेरी में भी सत्ता से हाथ धोना पड़ा।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ दिनों के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने अपनी ही पार्टी को नसीहत दी थी।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हनुमान की भूमिका में वायु सेना, दूर देशों से ला रही 'संजीवनी'

देश में जारी कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में भारतीय वायु सेना सरकार के लिए हनुमान की तरह काम कर रही है। दूर देशों से जीवन रक्षक ऑक्सीजन और दवाइयों को एयरलिफ्ट करने का काम लगातार जारी है। भारतीय वायु सेना (IAF) ने COVID-19 राहत कार्यों के लिए अपने 42 परिवहन विमान तैनात किए हैं, जिसमें 12 हेवी लिफ्ट और 30 मिडिल लिफ्ट विमान शामिल हैं।

एयर वाइस मार्शल एम रानाडे ने कहा, "वायुसेना ने 12 हेवी लिफ्ट और 30 मिडिल लिफ्ट विमान सहित कोरोना राहत कार्यों के लिए 42 परिवहन विमान तैनात किए हैं। उनका इस्तेमाल राहत उपायों, कर्मियों और सामग्रियों को लाने और ले जाने में किया जा रहा है।" रानाडे ने कहा, "अब तक हमने लगभग 75 ऑक्सीजन कंटेनरों को बाहर से लाया है और यह अभी भी जारी है।" भारतीय वायु सेना के विमान कई कार्यों में लगे हुए हैं, जिनमें देश के भीतर ऑक्सीजन कंटेनर और मेडिकल ऑक्सीजन परिवहन शामिल हैं, क्योंकि COVID-19 की दूसरी लहर ने देश में तबाही मचा रखी है।

भारत में कोरोना का कहर जारी

कोरोना का कहर कितना भयावह हो गया है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब हर दिन न सिर्फ केस बढ़ रहे हैं, बल्कि मौतों के मामलों में भी बड़ा इजाफा हो रहा है।

सलमान खान और जैकी श्रॉफ अभिनीत "राधे...योर मोस्ट वांटेड भाई" ईद का जश्न है

मुंबई: निर्देशक प्रभुदेवा के एक्शन से भरपूर "राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई" में अभिनेता सलमान खान और जैकी श्रॉफ एक बार फिर से देखा जाएगा. दिशा पटानी और रणदीप हुड्डा भी कलाकारों में शामिल हैं. फिल्म 13 मई को ईद स्पेशल के रूप में रिलीज होगी. जैकी श्रॉफ और सलमान खान अभिनीत "क्यों की", "बंधन", "कहीं प्यार ना हो जाए", "भारत", "वीर" फिल्मों में सफल सहयोग के बाद यह उनकी छठी बॉन्डिंग होगी. "राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई" 40 से अधिक देशों के सिनेमाघरों में मल्टी-फॉर्मेट रिलीज़ के साथ यह पहली फिल्म होगी, जो सरकार द्वारा जारी किए गए COVID प्रोटोकॉल का पालन करेगी और साथ ही ZEE5 और ZEE के पे-पर-व्यू ZEEPlex पर और DTH ऑपरेटरों पर स्ट्रीम करेगी। डिश, डी 2 एच, टाटा स्काई और एयरटेल डिजिटल टीवी समानता एक साथ जारी किया जाएगा. इस फिल्म में सिर्फ 114 मिनट का रनटाइम है जो सलमान खान की पिछली फिल्म से बहुत कम होगा. 1 फरवरी 2021 को 64 साल के हो गए जैकी श्रॉफ के पास सभी भारतीय भाषाओं में 225 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है. उन्होंने टेलीविज़न शो में भी अभिनय किया और एनिमेटेड फिल्मों के लिए भी अपनी आवाज दी. अपनी लगभग चार दशकों की यात्रा के दौरान उन्होंने विभिन्न शैलियों की फिल्मों मे काम किया है. "हीरो" जिसने हमेशा की तरह कई पुरस्कार हासिल किए हैं, ने फिर से कोरोना महामारी की दूसरी लहर में व्यथित लोगों की मदद के लिए कदम बढ़ाया है. उन्होंने फिल्म उद्योग के लोगों और मीडिया कर्मियों को इस बार भी कई राशन किट वितरित किए हैं... .. वास्तव में एक महान अभिनेता तथा नेक दिल इंसान का प्रतीक है.

बंगाली किताब में छपी अंकिता लोखंडे संग सुशांत सिंह राजपूत की फोटो, जानिए क्या है वजह

बॉलीवुड दिगवंत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत आज भले ही इस दुनिया में नहीं है लेकिन वह आज भी अपने चाहने वालों के दिलों में बसे हैं। इस बीच सुशांत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, जिसमें ये कयास लगाए गये हैं कि सुशांत सिंह राजपूत की फोटो को बंगाल के एक स्कूल की पाठ्यपुस्तक में शामिल किया गया है। हालांकि इस खबर में कितनी सच्चाई है इस बारे में अभी तक जानकारी सामने नहीं आई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक फोटो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें बंगाल की किताब में सुशांत सिंह राजपूत और अंकिता लोखंडे की फोटो छपी है। ये तस्वीर टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' की है। इस फोटो को लेकर सोशल मीडिया पर ये दावा किया गया है कि इस तस्वीर का इस्तेमाल बंगाली किताब में बच्चों को पारिवारिक मूल्यों के बारें में बताने के लिए होगा। इस किताब की पेज पर सुशांत को एक जिम्मेदार पति के रूप में दिखाया गया है, जिसकी गोद में एक बच्चा भी दिख रहा है। इस फोटो को एक स्मिता पारिख नाम की एक लड़की ने अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर की है। इस फोटो को शेयर करते हुए यूजर ने बंगाली भाषा में लिखा है कि दूसरी बंगाली किताब ने हमारे प्रिय सुशांत की फोटो छापी है। जिसका मकसद एक परिवार के मूल्यों को बताना है। स्मिता पारिख ने इस फोटो को शेयर करते हुए सुशांत की बहन प्रियंका और मीतू को टैग करते हुए लिखा कि इसे देखो, मुझे सुशांत पर काफी गर्व है। इस फोटो से साफ होता है कि शिक्षा बोर्ड को भी लगता है कि सुशांत सबसे अच्छा था। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत ने अपने करियर की शुरुआत जी टीवी के फेमस शो पवित्र रिश्ता से ही किया था। इस शो के जरिये ही वह घर-घर छा गए थे। सुशांत सिंह राजपूत का शव बीते साल 14 जून को उनके मुंबई के बांद्रा स्थित फ्लैट में मिला था। उनकी मौत को एक साल होने वाला हैं लेकिन अभी भी उनकी मौत का सस्पेंस बना हुआ है। क्योंकि पहली नजर में इस केस को मुबंई पुलिस ने आत्महत्या करार दिया लेकिन बिहार पुलिस के हस्तक्षेप करने के बाद यह मामला सीबीआई के पास पहुंचा, जो अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई।

अब कंगना रनौत को हुआ कोरोना, 'हर-हर महादेव' का नारा लगाकर बोलीं- मैं वायरस को खत्म कर दूंगी

अभिनेत्री कंगना रनौत का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर जानकारी दी है। इसके साथ उन्होंने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। पोस्ट लिखकर दी जानकारी कंगना ने अपनी एक तस्वीर साझा की जिसमें वो ध्यान की मुद्रा में हैं। उन्होंने लिखा- 'पिछले कुछ दिनों से मैं थकान और कमजोरी महसूस कर रही थी और मेरी आंखों में हल्की जलन हो रही थी। हिमाचल जाने की उम्मीद में कल मैंने अपना टेस्ट कराया था और आज इसका रिजल्ट आया है। मैं कोविड पॉजिटिव हूं। मैंने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। मुझे बिल्कुल भी नहीं पता था कि यह वायरस मेरे शरीर में है। अब मुझे पता है मैं इसे खत्म कर दूंगी।'

'आइए कोविड 19 को खत्म करें' कंगना आगे लिखती हैं कि 'अगर आप डर गए तो यह आपको और डराएगा। आइए इस कोविड 19 को खत्म करें। यह कुछ भी नहीं है एक मामूली सा फ्लू है। जिसे बहुत अधिक दबाया गया था और अब ये कुछ लोगों पर है। हर हर महादेव।'

टीएमसी नेता ने दर्ज कराई एफआईआर कंगना का ट्विटर अकाउंट हाल ही में सस्पेंड किया गया है। बीते दिन कंगना के इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। तृणमूल कांग्रेस के नेता ऋजु दत्ता ने पश्चिम बंगाल के उल्टाडांगा में एफआईआर दर्ज कराई है।

कोरोना संक्रमित लड़की के निधन पर बोले सोनू सूद- 'दिल टूट गया', एयरलिफ्ट कर पहुंचाया था अस्पताल

सोनू सूद दिन-रात कोरोना संक्रमित लोगों की मदद करने में जुटे हुए हैं। अपनी क्षमता के भीतर सोनू ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से लेकर मरीजों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाने का काम कर रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने 25 साल की लड़की भारती को नागपुर से हैदराबाद एयर एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया था। अब सोनू सूद ने एक ट्वीट कर जानकारी दी कि उस लड़की का निधन हो गया है। अस्पताल में कराया था भर्ती लड़की के फेफड़े 80-90 फीसदी तक कोरोना से संक्रमित हो गए थे। सोनू सूद ने उसे हैदराबाद के अपोलो अस्पताल पहुंचाया था जहां उसे विशेष इलाज की सुविधा दी गई थी हालांकि लड़की को बचाया नहीं जा सका। ट्वीट कर दी जानकारी सोनू सूद ने ट्वीट कर लिखा कि 'भारती, नागपुर की एक यंग लड़की, जिसे मैंने एयरलिफ्ट कर एयर एम्बुलेंस से हैदराबाद पहुंचाया था, उसका बीती रात हैदराबाद में निधन हो गया। ECMO मशीन के जरिए वह एक महीने से जिंदगी के लिए लड़ रही थी। मेरा दिल भारी हो गया परिवार के सदस्यों के लिए और उन सभी के लिए जिन्होंने उसके लिए दुआएं कीं। काश मैं उसे बचा सकता। जिंदगी बहुत अन्यायपूर्ण है।' इसके साथ सोनू सूद ने दिल टूट वाला इमोटिकॉन बनाया। एयरलिफ्ट कर पहुंचाया था अस्पताल सोनू लगातार अस्पताल के डॉक्टर्स से संपर्क में थे। उन्होंने उस वक्त कहा था कि 'डॉक्टर्स ने बताया है कि 20 प्रतिशत की उम्मीद है। उन्होंने पूछा कि क्या हम आगे बढ़ें तो मैंने कहा, जी बिल्कुल। वह 25 साल की यंग लड़की है और वह इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के साथ जूझेगी और बाहर आएगी इसलिए यह चांस लिया गया और हमने उसे एयर एम्बुलेंस से पहुंचाने का फैसला लिया। देश के सबसे अच्छे डॉक्टर्स की टीम उसका इलाज करेंगे। वह जल्दी ठीक हो जाएगी और वापस आएगी।' बता दें कि भारती के पिता रिटायर्ड रेलवे अधिकारी हैं।

रवीना टंडन ने शेयर की अपनी थ्रोबैक फोटो, एक्ट्रेस का लुक देख फैंस बोले- ब्यूटीफुल, अमेजिंग

90 के दशक में अपने हुस्न और अपनी अदाकारी से सबको घायल करने वाली रवीना टंडन का क्रेज अब तक कायम है। लोग रवीना के फिगर और फिटनेस के मुरीद हैं। साल 1991 में सलमान खान के साथ फिल्म 'पत्थर के फूल' से अपना फ़िल्मी सफर शुरू करने वाली रवीना आज भी अपनी ग्लैमरस और हॉट तस्वीरों से सोशल मीडिया पर सनसनी मचाती हैं । इस बात का सबूत रवीना की इस नई फोटो से देखकर मिल जाएगा। हालांकि अभी बॉलीवुड से दूर रवीना टंडन ने अपनी एक थ्रो-बैक फोटो शेयर की। जिसमें वह ब्राइडल अवतार में मुस्कुराती नजर आ रही हैं। फोटो में प्यारी दिखीं रवीना अपनी थ्रोबैक फोटो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए रवीना ने कुछ खास नहीं लिखा है। लेकिन उन्होंन बस इतना हिंट दिया है कि उनका यह लुक साल 2001 में आई उनकी फिल्म दामन का है। वह लिखती हैं," हैशटैग थ्रोबैक हैशटैग दामन.. लगभग 2000। " फोटो में रवीना ह्वाइट प्रिंटेड लहंगा पहने हुए दिख रही हैं। सिर पर पल्लू डाले वह किसी को देखते हुए नजर आ रही हैं। फोटो में वाकई में वह बहुत ही प्यारी लग रही हैं। उनकी ये नई थ्रोबैक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है।

फैंस कुछ ऐसे कर रहे हैं तारीफ रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह आए दिन अपने फैंस से जुड़ने के लिए वह अपनी फोटो और वीडियो शेयर उनका मनोरंजन करती रहती हैं। एक्ट्रेस की इस फोटो को देखकर उनके चाहने वाले लगातार कॉमेंट कर उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। फैंस ब्यूटीफूल, अमेजिंग, शानदार, मस्त लिखने के साथ ही साथ हार्ट और फ्लावर इमोजी शेयर कर अपनी फीलिंग शेयर कर रहे हैं।

कैंसर डायग्नोसिस के बाद पहली बार दिखीं किरण खेर, स्वास्थ्य को लेकर उड़ी अफवाह तो अनुपम खेर ने दिया जवाब

अनुपम खेर की पत्नी किरण खेर कैंसर डायग्नोसिस के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आई हैं। उनकी सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ रही है जिसके बाद अनुपम खेर ने ट्वीट कर बताया कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि लोग इस तरह की नकारात्मक खबरें ना फैलाएं। किरण खेर की तबीयत को लेकर अनुपम खेर ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा किरण के स्वास्थ्य के बारे में अफवाह फैलाई जा रही हैं और यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। इसके अलावा उन्होंने किरण खेर की वैक्सीनेशन के दौरान तस्वीर भी पोस्ट की।

अनुपम खेर ने किया ट्वीट

अभिनेता ने अपने ट्वीट में लिखा-

'किरण के स्वास्थ्य को लेकर कई अफवाहें हैं। यह सब गलत है। वह बिल्कुल ठीक हैं। यही नहीं उन्होंने आज दोपहर को कोविड का दूसरा वैक्सीनेशन लिया। मैं लोगों से निवेदन करता हूं कि इस तरह की निगेटिव खबरें ना फैलाएं। धन्यवाद। सुरक्षित रहें।'

वैक्सीनेशन के लिए पहुंचीं किरण खेर अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। जिसमें वो, उनकी मां दुलारी खेर, उनके भाई राजू खेर और पत्नी किरण खेर कोविड वैक्सीनेशन लेते दिखे। कैंसर के बारे में दी थी जानकारी एक अप्रैल को अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर जानकार दी थी कि किरण खेर को ब्लड कैंसर है। अनुपम ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-

'अफवाहों से हालात बेहतर नहीं होंगे, इसलिए मैं और सिकंदर सभी को ये जानकारी देना चाहते हैं कि किरण को मल्टीपल मायलोमा (एक तरह का ब्लड कैंसर) डायगनॉस किया गया है, एक तरह का ब्लड कैंसर। उनका इस वक्त ट्रीटमेंट चल रहा है और मुझे पूरा भरोसा है कि वो इससे पहले से भी ज्यादा मजबूत बनकर बाहर निकलेंगी'।

शाहिद कपूर की इस आदत से परेशान हुईं मीरा राजपूत, तस्वीर पोस्ट कर पूछा- 'क्या सभी ऐसे होते हैं?'

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत की लोकप्रियता किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है।

शाहिद और मीरा बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों की केमेस्ट्री देखते ही बनती है। सोशल मीडिया पर मीरा काफी सक्रिय हैं और फैंस से रूबरू होती रहती हैं। पोस्ट लिखकर मीरा ने की शिकायत अब मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वो शाहिद कपूर के बिखरे पड़े जूते और मोजे देखकर परेशान हैं। मीरा ने पोस्ट लिखकर संकेत दिया कि शाहिद कपूर वर्कआउट के बाद इस तरह जूते-मोजे घर पर फैलाकर रखते हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा- 'Are all men like this? (क्या सभी आदमी ऐसे ही होते हैं?)' ईशान खट्टर ने कही थी ये बात गौरतलब है कि मीरा राजपूत के देवर ईशान खट्टर ने इससे पहले खुलासा किया था कि उनकी भाभी के घर पर जूतों को लेकर कड़े नियम हैं। ईशान ने नेहा धूपिया के शो 'नो फिल्टर नेहा' में कहा था कि 'वह जूतों को लेकर बहुत सख्त हैं। यह कमरे के बीच में नहीं होना चाहिए। यह कोने में होना चाहिए।' ईशान कहते हैं कि 'अपने भतीजे और भतीजी से मिलने के लिए मैंने यह प्रोटोकॉल सीख लिया है। पहले अपने जूते उतारिए, जहां उन्हें होना चाहिए और फिर घर में प्रवेश करिए।'

मीरा ने पूछा- 'यह केवल मेरे साथ होता है?'

मीरा राजपूत अपनी डेली रूटीन की खास बातें प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर फैंस से पूछा था कि एक मां होने के नाते क्या उन्हें भी ऐसी मुश्किलें उठानी पड़ती हैं? दरअसल मीरा तैयार होने के लिए मेकअप करने वाली थीं लेकिन उनका मेकअप स्पंज गायब था। जब वह उसे खोजने लगीं तो उनके बेटे जैन कपूर के स्विमिंग पूल में पड़ा हुआ मिला। मीरा दिखाती हैं कि मेकअप स्पंज को काट दिया गया है।

कोविड के खिलाफ फिर मदद के लिए आगे आए रोहित शेट्टी, मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिया धन्यवाद

पूरे देश में कोरोना का कहर देखने को मिल रहा है। इस मुश्किल के वक्त में सरकारों के साथ ही साथ सितारे भी अपने- अपने स्तर पर मदद के लिए आगे आ रहे हैं। कई बॉलीवुड सेलेब्स बीते साल के कोरोना काल से ही मदद करते आ रहे हैं। इन सितारों में एक नाम निर्देशक रोहित शेट्टी का भी है। ऐसे में एक बार फिर रोहित अपनी मदद को लेकर चर्चा में हैं।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने किया सोशल मीडिया पोस्ट

शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनजिंदर सिंह सिरसा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट से रोहित शेट्टी को धन्यवाद दिया है। सिरसा ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'वो स्क्रीन पर खतरों का खिलाड़ी होगा, लेकिन पर्दे के पीछे वो एक सेंसटिव और दयालु शख्स है, जो इंसानियत का ख्याल रखते हैं।'

रोहित शेट्टी का धन्यवाद

सिरसा ने आगे अपने पोस्ट में लिखा, 'रोहित शेट्टी का धन्यवाद, जिन्होंने हमारे कोविड केयर फेसिलिटी की मदद की। आपकी सहायता के लिए हम आपके आभारी हैं। प्रार्थना है कि आपकी इस मदद के बदले आपको बहुत सारी ब्लेसिंग्स मिलें।' सिरसा के इस पोस्ट को सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं और रोहित की तारीफ कर रहे हैं।

250 बेड्स हैं मौजूद

मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नहीं दी है कि रोहित शेट्टी ने कितने रुपयों से मदद की है। वहीं इस खबर को शेयर करते हुए विरल भियानी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि मनजिंदर सिंह सिरसा के कोविड केयर में 250 बेड्स मौजूद हैं, और सभी सुविधाएं मुफ्त हैं।

2020 में भी रोहित रहे थे एक्टिव

गौरतलब है कि रोहित शेट्टी सिर्फ साल 2021 में ही कोविड के खिलाफ मैदान में नहीं उतरे हैं। बल्कि बीते साल 2020 में भी रोहित ने कोविड के खिलाफ बढ़ चढ़कर मदद की थी। रोहित ने मुंबई में पुलिस के लिए 11 होटल उपलब्ध करवाए थे। इसके अलावा भी रोहित अलग अलग तरह से मदद के लिए डटे रहे थे।

अर्बन प्लानिंग में करियर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

अर्बन प्लानर वह है जो भूमि के उपयोग के लिए योजना और कार्यक्रम विकसित करता है। वे समुदाय बनाने, विकास में वृद्धि और शहर, शहरों और महानगरीय क्षेत्रों में भौतिक सुविधाओं को पुनर्जीवित करने की योजना का उपयोग करते हैं।

शहरी नियोजन शायद आज एक शहर में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। ग्लोबल वार्मिंग के एक कगार के रूप में कई क्षेत्रों में वार्षिक बाढ़ का कारण बनता है, लगातार प्रदूषण सूचकांक बढ़ रहा है। ये सभी समस्याएं दुनिया भर में हैं और एक भी देश इससे अछूता नहीं है। तो यह इन मुद्दों को कम करने या खत्म करने के लिए नए और अभिनव उपायों को पेश करने के लिए विशेषज्ञ शहरी योजनाकारों की दृष्टि ले जाएगा और एक सामाजिक खतरे से निपटने में मदद कर सकता है।

एक शहरी नियोजक का दायरा

शहरी नियोजन में इंजीनियरिंग के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक सरोकार शामिल हैं, किसी तरह यह एक तकनीकी पेशा है और एक अकादमिक अनुशासन भी है।

इंटरेस्टेड उम्मीदवारों को राजनीतिक राय और सार्वजनिक भागीदारी के प्रबंधन में निपुण होना चाहिए। शहरी नियोजक यह पता लगा सकते हैं कि संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करके निवासियों के लिए शहर का जीवन अधिक जीवनदायी हो जाता है।

शहरी नियोजन में कैरियर केवल मास्टर प्लानिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शामिल हैं,

(1) भौतिक योजना के एक भाग के रूप में इमारतों और संरचनाओं का विकास करना।

(2) परिवहन योजना के एक भाग के रूप में राजमार्ग, सड़कें।

(३) खुले पार्क, खेल का मैदान, एक मनोरंजक योजना के रूप में भूनिर्माण आदि।

इस प्रकार शहरी नियोजन का विषय है,

I) अनुसंधान और विश्लेषण, II) रणनीतिक सोच के साथ-साथ III) दूसरों के बीच वास्तुकला और डिजाइनिंग तत्व।

आकांक्षी छात्रों को शहरी योजना से जुड़े कानूनी मुद्दों सहित रणनीतिक सोच, डिजाइनिंग, अनुसंधान-विश्लेषण और वास्तुकला में अच्छा होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in पर देख सकते हैं।

लोगों में राशन बांटकर अपना जन्मदिन मनाया डॉ. कृष्णा चौहान ने !

कृष्णा चौहान को इस साल उनके बर्थडे के अवसर पर उन्हें पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया

इसी माह के अंत मे लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का भव्य आयोजन करेंगे डॉ कृष्णा चौहान

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड के फाउंडर कृष्णा चौहान अब डॉक्टर कृष्णा चौहान बन गए हैं। जी हां, दरअसल कृष्णा चौहान जी को इस साल उनके जन्मदिन के अवसर पर पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया है और इस तरह अब उन्हें डॉक्टर कृष्णा चौहान कहा जाएगा। ये 2021 में कोरोना काल और लॉक डाउन के समय मे कृष्णा चौहान जी को सबसे बड़ा जन्मदिन का तोहफा मिला है।आपको बता दें कि 4 मई 2021 को डॉ कृष्ण चौहान जी का जन्मदिन था। कोविड 19 और लॉक डाउन की वजह से डॉ कृष्ण चौहान जी ने अपने घर पे ही अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपनी बिल्डिंग के लोगो को राशन किट दे कर अपने बर्थडे को सेलेब्रेट किया। उन्होंने कहा कि इससे खुशी की बात क्या हो सकती है कि मैंने अपने जन्मदिन के मौके पर लोगों में रोज़ की जरूरत की चीजें वितरित कीं, इससे जो सुकून मिला उसे मैं शब्दो मे बयाँ नहीं कर सकता।आपको बता दें कि डॉ. कृष्ण चौहान हर साल अपने जन्मदिन पर राशन और भगवतगीता वितरित करते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं।वह 4 मई 2021 को अपने जन्मदिन के मौके पर मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 करने वाले थे मगर कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन न हो हो पाया। अगर सबकुछ ठीक रहा तो, अब यह समारोह 30 मई 2021 को आयोजित किया जाएगा।जुलाई 2021 में मिस एंड मिसेज इंडिया 2021 का आयोजन मुम्बई के एक बड़े होटल में किया जाएगा। 26 दिसंबर 2021 को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ कृष्णा चौहान 28 फरवरी 2021 को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का सफल आयोजन कर चुके हैं।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान की एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है।

इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 फंक्शन के दिन डॉ कृष्णा चौहान अपनी बॉलीवुड फिल्म का पोस्टर लॉन्च भी करेंगे जिसकी शूटिंग जून जुलाई 2021 मे करंगे।उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान एक फिल्म निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई मैं 18 वर्षों से रह रहे हैं। इन 18 वर्षों में डॉ कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज डॉ कृष्ण चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। डॉ कृष्ण चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है।डॉ कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म "जीना नही तेरे बिना" रिलीज़ के लिए तैयार है।

उनका एक हिंदी एल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है।डॉ कृष्ण चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले डॉ कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

.डॉ कृष्णा चौहान ने अपने जन्मदिन पर लोगो में राशन किट बाटे। कर भला तो हो भला। वो "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" पर यकीन रखते हैं।

मुंबई से गुड न्यूज, 8 दिन में 58% घटे माइक्रो कंटेनमेंट जोन, सील बिल्डिंगों में 55% की कमी

मुंबई, पिछले कई दिन से मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। इससे मुंबई में माइक्रो कंटेनमेंट जोन की संख्या में पिछले 8 दिन में 58 प्रतिशत की कमी आई है। सील बिल्डिंग 55 प्रतिशत और कंटेनमेंट जोन 24 प्रतिशत कम हुए हैं। मुंबई में बढ़ते कोरोना केसों और लोगों की परेशानी को देखते हुए बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने नियम बनाया था कि एक मरीज मिलने पर फ्लोर सील किया जाए। वहीं 5 से अधिक मरीज मिलने पर बिल्डिंग और उससे ज्यादा मरीज मिलने पर उस परिसर को माइक्रो कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया जाए। बीएमसी की ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट, टेस्टिंग मुहिम बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि दूसरी लहर में सबसे ज्यादा प्रभावित ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग हुए हैं। इसे रोकने के लिए बीएमसी ने हाउसिंग सोसायटियों की मदद से ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट और टेस्टिंग की मुहिम शुरू की। नियम के अनुसार बिल्डिंगें सील की गईं, कंटेनमेंट और माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाए गए। वहां निगरानी के लिए पुलिस तैनात की गई। उसी का नतीजा है कि अब मुंबई के 24 में से 11 वॉर्डों - सैंडहर्स्ट रोड, कालबादेवी, परेल, वडाला, वर्ली, बांद्रा पूर्व, अंधेरी पश्चिम, घाटकोपर, मालाड, गोरेगांव और बोरीवली में एक भी कंटेनमेंट जोन नहीं है। यहां 28 अप्रैल को 124 कंटेनमेंट जोन थे, जो अब 96 रह गए हैं।

बांद्रा वेस्ट और बोरीवली में 1 भी एमसीजेड नहीं कांदिवली में सबसे ज्यादा 22, अंधेरी पूर्व में 16, भायखला में 12 और कुर्ला, साकीनाका में 10 कंटेनमेंट जोन हैं। मुंबई में 28 अप्रैल को 1,101 माइक्रो कंटेनमेंट जोन थे, जो 6 अप्रैल को 617 रह गए। सैंडहर्स्ट रोड, बांद्रा पश्चिम और बोरीवली में एक भी माइक्रो कंटेनमेंट जोन नहीं है।

जबकि अंधेरी पश्चिम में सर्वाधिक 176, ग्रांट रोड में 121, चेम्बूर और भायखला में 47- 47 और कुर्ला में 45 माइक्रो कंटेनमेंट जोन हैं।

महाराष्ट्र ATS की बड़ी कामयाबी-ठाणे से 7 किलो रेडियोएक्टिव यूरेनियम के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार; बाजार में कीमत 21 करोड़ रुपए

महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (ATS) ने गुरुवार को 7 किलो रेडियोएक्टिव यूरेनियम के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। ठाणे से गिरफ्तार दोनों आरोपी पिछले कई दिनों से यूरेनियम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे थे। जब्त यूरेनियम की बाजार में कीमत 21 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ATS अब इस बात की जांच कर रही है कि इसका इस्तेमाल क्या विस्फोटक बनाने के लिए किया जाने वाला था? जानकारी के मुताबिक, आरोपियों की पहचान अबू ताहिर (31) और जिगर पांडे (27) के रूप में हुई है। इन्होंने एक प्राइवेट लैब में इसकी टेस्टिंग भी करवाई थी।

कैसे आरोपियों तक पहुंचा प्रतिबंधित यूरेनियम?

यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में बिजली उत्पादन में किया जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि प्रतिबंधित यूरेनियम की इतनी बड़ी मात्रा उन्हें कहां से और कैसे मिली? यूरेनियम का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है। ऐसे में अगर यह गलत हाथ तक पहुंच जाए, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

गुज़र रही है ज़िन्दगी ऐसे मुकाम से
अपने दूर हो गये, ज़रा से ज़ुकाम से !
क़ायनात में हवा भी हो गई क़ातिल,
वक़्त ने ढ़ाया सितम कि दूरियाँ ही 'दवा' हो गई!
आज सलामत रहे तो कल की सहर देखेंगे,
आज पहरे में रहे तो कल का पहर देखेंगें।
सासों के चलने के लिए
कदमों का रुकना ज़रूरी है,
घरों मेँ बंद रहना - हालात की मजबूरी है!
अब भी न संभले, तो पछताएंगे,
सूखे पत्तों की तरह आंधी में बिखर जाएंगे!
यह जंग मेरी या तेरी नहीं-
हम सब की है,
यहाँ जीत सब की है, तो
हार भी हम सब की है।
बात अपनी नहीं, अपनों के लिए जीने की है।
जुदाई का ज़हर भी तो हमें
घूंट घूंट पीना है।
आज महफ़ूज़ रहे,
तो कल मिल के खिलखिलाएँगे।
गले भी मिलेंगे और हाथ भी मिलाएंगे।

मनोज जोशी

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

मुंबई मनपा की माइक्रो प्लानिंग और कोऑर्डिनेशन-पता था ऑक्सीजन की जरुरत पड़ेगी, इसलिए पिछले साल ही बनवा लिए बड़ी टंकियां और प्लांट, सप्लाई-निगरानी के लिए 6 अफसर भी

कोरोना महामारी में मुंबई मनपा ने जिस तरह जरूरतमंद मरीजों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था की, उसकी तारीफ सुप्रीम कोर्ट ने भी की है। दैनिक भास्कर ने मुंबई मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल और हेल्थ मामलों के एक्सपर्ट से समझने की कोशिश की कि आखिर वह क्या वजह थी जिसके कारण दिल्ली के विपरीत मुंबई में कोरोना महामारी और ऑक्सीजन मैनेजमेंट को लेकर अफरातफरी नहीं मची। पता चला कि माइक्रो प्लानिंग, कोऑर्डिनेशन और बेहतर प्रबंधन से मुंबई ने संक्रमण की रफ्तार रोकी। मुंबई मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया कि कोरोना की पहली लहर के वक्त हमने पिछले साल ही भविष्य की गंभीरता और जरूरत को भांप लिया था। हमें पता था कि संक्रमितों को ऑक्सीजन की बेहद जरूरत पड़ती है, इसलिए सभी बड़े कोविड सेंटर में ऑक्सीजन की सप्लाई का पहले ही प्रबंध कर लिया था। अस्पतालां में ही बड़ी क्षमता की ऑक्सीजन टांकियां बनवाई। जिन अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड हैं, वहां ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए 24 विभागों के बीच 6 कोऑर्डिनेशन अफसर नियुक्ति किए। माइक्रो प्लानिंग, कोऑर्डिनेशन और तुरंत एक्शन पर फोकस रखा। केंद्र, राज्य सरकार और ऑक्सीजन सप्लाई करने वाली कंपनियों से संपर्क रखा। हर जरूरतमंद तक हमने ऑक्सीजन सप्लाई की। मुंबई मनपा के अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए पहली लहर के बाद ही कस्तुरबा और एचबीटी ट्रॉमा केयर अस्पताल में पीएसए तकनीक पर आधारित ऑक्सीजन प्लांट लगाया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।